RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:272 ता. 25 अप्रेल 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

गाजियाबाद से सुनीता दयाल होंगी भाजपा की महापौर प्रत्याशी, बसपा ने निसारा खान को दिया टिकट

गाजियाबाद। भाजपा ने गाजियाबाद से सुनीता दयाल को महापौर प्रत्याशी बनाया है। भाजपा ने निवर्तमान महापौर आशा शर्मा को फिर से चुनाव लड़ने का मौका नहीं दिया है। सुनीता साल 2017 में भी टिकट की दौड़ में थीं, लेकिन तब पार्टी ने आशा पर भरोसा जताया था। कांग्रेस से पुष्पा रावत, सपा से पूनम यादव और आप से जानकी बिष्ट महापौर प्रत्याशी हैं। सुनीता दयाल गाजियाबाद में उस वक्त भाजपा की नेत्री थीं, जब बहुत कम महिलाएं राजनीति में सक्रिय हुआ करती थीं। वहीं बसपा ने निसारा खान को अपना उम्मीदवार बनाया है।

कौन हैं सुनीता दयाल

सुनीता साल 1975 में एबीवीपी की विभाग संयोजिका थीं। फिर अस्सी के दशक में वह भाजपा में सक्रिय हुईं। फिर विभिन्न पदों पर रहते हुए भाजपा की महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री भी बनीं। पिछली दो टर्म से वह प्रदेश की उपाध्यक्ष हैं। सुनीता ने साल 2004 के उपचुनाव में भाजपा के टिकट से गाजियाबाद शहर सीट से विधायकी का चुनाव भी लड़ा था लेकिन तब वह सुरेंद्र मुन्नी से हार गई थीं। परास्नातक करने वाली सुनीता के परिवार में पति और बेटी हैं। पति बैंक के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।

किया यह वादा

टिकट की घोषणा होने के बाद सुनीता दयाल ने कहा कि वह पार्टी और लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगी। भाजपा की ट्रिपल इंजन की सरकार शहर के विकास में जुटी है। इसे और तेज किया जाएगा।

बसपा ने निसारा खान को दिया मेयर का टिकट

वहीं बसपा ने सभी पार्टियों के महापौर प्रत्याशी घोषित होने के बाद रविवार देर रात अपना कैंडीडेट को मैदान में उतार दिया। हिंडन विहार में रहने वाली निसारा खान बसपा की महौपार प्रत्याशी होंगी। निसारा खान अय्यूब खान की पत्नी हैं।

महाराष्ट्र में सियासी तूफान के संकेत! संजय राउत के बाद उद्धव बोले- कभी भी हो सकते हैं चुनाव

● **फायरब्रांड नेता संजय राउत के बाद खुद पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ने भविष्यवाणी की है कि राज्य में चुनाव 'कभी भी' हो सकते हैं और उनकी पार्टी इसके लिए तैयार है।**

मुंबई। महाराष्ट्र में सियासी तूफान के संकेत दिख रहे हैं। फायरब्रांड नेता संजय राउत के बाद खुद पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ने भविष्यवाणी की है कि राज्य में चुनाव 'कभी भी' हो सकते हैं और उनकी पार्टी इसके लिए तैयार है। इससे पहले राउत ने दावा किया था कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली मौजूदा महाराष्ट्र सरकार अगले 15-20 दिनों के भीतर गिर जाएगी। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा, चुनाव कभी भी हो सकते हैं, आज भी हम तैयार हैं। मामला सुप्रीम कोर्ट में है और हमें उम्मीद है कि फैसला हमारे पक्ष में आएगा। उसके बाद, कभी भी कुछ भी हो सकता है।

शिंदे और भाजपा में सबकुछ ठीक नहीं- उद्धव

उद्धव ने भाजपा से यह स्पष्ट करने के लिए कहा कि क्या अगले साल भी सीएम शिंदे के नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा, भले ही राज्य के

भाजपा प्रमुख ने पुष्टि की हो कि शिंदे-गुट को कुल 288 में से केवल 48 सीटें आवंटित की जाएंगी। उन्होंने पूछा, राज्य भाजपा प्रमुख चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि शिंदे की पार्टी को केवल 48 सीटें आवंटित की जाएंगी (कुल 288 में से)। क्या भाजपा केवल 48 सीटों पर चुनाव लड़ने वाले व्यक्ति के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी? गौरतलब है कि पिछले साल शिवसेना के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बागी नेताओं के एक धड़े के भाजपा के साथ हाथ मिलाने और राज्य में गठबंधन सरकार बनाने के बाद पिछले साल ठाकरे को उनके मुख्यमंत्री पद से हटा दिया गया था। जैसे ही शिवसेना के दोनों पक्षों के बीच दरार बढ़ी, ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट ने इस साल की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। इस बीच, भारत के चुनाव आयोग ने शिंदे-गुट को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी और दोनों समूहों को नए नाम और प्रतीक आवंटित करने के प्रयास के बाद उन्हें धनुष और तीर का चुनाव चिह्न दिया।

राजनीतिक रूप से खत्म होंगे देशद्रोही-उद्धव-सीएम शिंदे और अन्य बागी नेताओं का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी और समर्थक यह सुनिश्चित करेंगे कि 'देशद्रोही' राजनीतिक रूप से खत्म हो जाएं। उन्होंने कहा, हम देखेंगे कि आप समाप्त हो गए हैं। हमने विश्वासघात के कारण बने राज्य पर लगे कलंक को साफ कर दिया है। महाराष्ट्र बहादुर लोगों की भूमि है, गद्दारों की नहीं।

अजित पवार पर भी टिकी निगाहें

उधर, राज्य के पार्टी गठबंधन में एक पुनर्गठन के बारे में अटकलें अधिक हैं। कई लोगों का मानना है कि एनसीपी नेता अजित पवार जल्द ही एमवीए से भाजपा के हाथ में आ जाएंगे। हालांकि, पार्टी प्रमुख शरद पवार ने पहले जोर देकर कहा था कि पार्टी के भीतर ऐसी कोई चर्चा नहीं है। एनसीपी महा विकास अघडी (एमवीए) का एक तिहाई हिस्सा है, जिसमें शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस त्रिपक्षीय गठबंधन में अन्य दो सहयोगी हैं।

अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी से ठीक पहले पाक ड्रोन की घुसपैठ

अमृतसर। खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद से पंजाब में हाई अलर्ट है। अमृतपाल की खालिस्तानी आतंकवादी जरनैल सिंह भिंडरावाले के पैतृक गांव रोडे से गिरफ्तारी हुई थी। इसी दिन पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) विंग के साथ एक संयुक्त अभियान में, सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने भारत-पाकिस्तान सीमा से लगे गुरदापुर जिले में एक ड्रोन बरामद किया। यह ड्रोन गेहूं की फसल की कटाई के दौरान मिला। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि इलाके के पास तलाशी अभियान भी चलाया। मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि साल 2022 में पाकिस्तान से पंजाब में ड्रग्स ले जाने वाले ड्रोनों की सबसे अधिक आवाजाही देखी गई। केंद्रीय एजेंसियों को संदेह है कि यह खतरा खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के पंजाब आने से जुड़ा हुआ है। डेटा के अनुसार, साल 2022 में पंजाब से लगती पाक सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बलों ने राज्य में 256 ड्रोन गतिविधियों का पता लगाया है, इनमें से 90 प्रतिशत भारतीय क्षेत्र के अंदर थे। आंकड़ों के मुताबिक, 2021 में बीएसएफ ने 67 ड्रोन मूवमेंट देखे गए। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि जम्मू सीमा पर पिछले साल ड्रोन की आवाजाही में वृद्धि देखी गई, जिसमें देखे जाने के कुल मामलों में तीन गुना वृद्धि हुई। रविवार को पंजाब के गुरदारपुर जिले में बरामद ड्रोन के बारे में जानकारी देते हुए बीएसएफ प्रवक्ता ने कहा कि जिले शाहपुर गोराया गांव के पास एक ड्रोन बरामद हुआ है। ड्रोन को एक खेत में गेहूं की फसल की कटाई के दौरान बरामद किया गया था। कहा, %रविवार को सीआई गुरदासपुर से मिली सूचना के आधार पर सीमावर्ती गांव शाहपुर गोराया के पास गहरे इलाके में संयुक्त तलाशी अभियान शुरू किया गया। तलाशी के दौरान गांव के खेत से एक ड्रोन (क्वाडकॉप्टर, डीजेआई मैट्रिस 300 आरटीके) बरामद किया गया।

पाकिस्तान से देर रात में हुई घुसपैठ

बीएसएफ अधिकारी के मुताबिक, ÷ऐसी संभावना है कि ड्रोन ने देर रात में पाकिस्तान से भारत की ओर घुसपैठ की थी। जिसके बाद तैनात बीएसएफ सैनिकों द्वारा इसका पता लगाया गया था और उस पर गोलीबारी की गई थी।

कहां से मिली पिस्तौल, क्यों सरेंडर; अतीक अहमद के हत्यारों ने दिए 7 सवालों के जवाब

प्रयागराज। अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या करने वाले लवलेश तिवारी, सनी सिंह और अरुण मौर्य ने पुलिस के सामने कुछ राज उगले हैं। इन हत्यारों ने एक बार फिर से दोहराया है कि उनके पीछे कोई भी मददगार नहीं है और नहीं उनका कोई आका है। इन लोगों से पुलिस ने 7 अहम सवाल पूछे थे, जिनके जवाब इन लोगों ने सिलसिलेवार ढंग से दिए हैं। हालांकि तीनों ने ही एक बार फिर से दोहराया कि हत्या में इस्तेमाल पिस्तौल हमारी ही थी और हम ही डॉन हैं। तीनों ने कहा कि हमारा ना तो कोई मददगार है और ना ही आका है, जिसके कहने पर हमने हत्याकांड को अंजाम दिया है। तीनों हत्यारों ने कहा कि हमने जरायम की दुनिया में नाम कमाने के मकसद से ही इस वारदात को अंजाम दिया है। इन तीनों से ही पुलिस ने 7 अहम सवाल पूछे। इनमें से एक सवाल था कि आखिर अतीक और अशरफ की हत्या क्यों की। इसके जवाब में तीनों ने कहा कि हम नाम कमाना चाहते थे। यही नहीं सनी ने तो साफ कहा कि मैं लॉरेंस बिश्नोई जैसा गैंगस्टर बनना चाहता हूं। इसीलिए मैंने इस वारदात को अंजाम देने का फैसला लिया। सनी ने कहा कि मैंने उमेश पाल

मर्डर केस में असद का वीडियो देखा था कि कैसे वह नाम कमा रहा है। इसके बाद हमने अतीक की हत्या करके अपराध की दुनिया में नाम कमाने का फैसला लिया। पुलिस का एक अहम सवाल यह था कि तुर्की में बनी जिगाना पिस्तौल कहां से आई? इसका जवाब भी सनी ने ही दिया। उसने बताया कि उसे यह पिस्तौल एनसीआर के गैंगस्टर जितेंद्र मान गोगी से मिली थी। सनी ने बताया कि उसे एक वकील की हत्या के लिए जितेंद्र मान गोगी ने जिगाना पिस्तौल सौंपी थी, लेकिन वह मारा गया था। इसलिए ये पिस्तौलें उसके पास ही रह गईं। पूछताछ में तीनों ने यह भी बताया कि वह कैसे एक दूसरे से मिले थे। सनी और लवलेश बांदा जेल में बंद थे और यहीं पर उनकी दोस्ती हुई। इसके अलावा अरुण से एक बार पेशी के दौरान मुलाकात हुई थी।

सरेंडर का पहले से ही था प्लान

हत्या के बाद सरेंडर करने के प्लान के बारे में भी तीनों ने बताया। लवलेश और सनी ने कहा कि हमें पता था कि पुलिस मीडिया के सामने हमें गोली नहीं मारेगी। इसलिए हमने भी तय कर रखा था कि पुलिस और मीडिया पर गोली नहीं चलाएंगे। अतीक और अशरफ को मारने के बाद तुरंत सरेंडर कर देंगे। इन तीनों ने यह भी बताया कि हम लगातार टीवी देख रहे थे। 14 अप्रैल को जब उसे कॉल्विन अस्पताल ले जाया गया तो उन्हें पता चल गया था कि अगले दिन फिर से मेडिकल होगा।

दिल्ली में तेज हवा के साथ बूंदाबांदी के आसार

40 डिग्री वाले सितम से कब तक मिलेगी राहत

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से दिल्ली में झुलसा रही गर्मी से कुछ राहत मिली है। सोमवार के दिन भी दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में तेज हवा के साथ बूंदाबांदी होने की संभावना है। इसके चलते अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस तक रहने के आसार हैं। दिनभर बादल छाए रहने और तेज हवा के साथ हुई बूंदाबांदी से रविवार को लोगों को गर्मी से राहत मिली है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में दिन का अधिकतम तापमान सामान्य से छह डिग्री कम रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि इस सप्ताह मौसमी गतिविधियों के चलते अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे ही रहने का अनुमान है। दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में रविवार की सुबह से ही हल्के बादल छाए रहे। जबकि, हवा की रफ्तार 12 से लेकर 24 किलोमीटर प्रति घंटे तक

की रही। दिन चढ़ने के साथ ही हल्की धूप निकल आई। लेकिन, बादलों की आवाजाही लगातार बनी रही। इसके चलते तेज और तीखी धूप नहीं निकली।

राजधानी से भी महंगा होगा इस वंदे भारत का सफर, चुकाने होंगे इतने रुपये

नई दिल्ली। तरुवनंतपुरम से कासरगोड़ के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस दौड़ने के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को इसकी शुरुआत करेंगे। हालांकि, एक अधिकारी ने बताया है कि यात्री इस ट्रेन की रफ्तार का मजा बुधवार से उठा पाएंगे। नई वंदे भारत की एंट्री से ही इस रूट पर दौड़ रही राजधानी एक्सप्रेस की रफ्तार का रिकॉर्ड टूट जाएगा। हालांकि, राजधानी के मुकाबले यात्रियों को वंदे भारत में ज्यादा भुगतान करना पड़ सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, त्रिवेंद्रम सेंट्रल से कासरगोड़ तक पहुंचने में वंदे भारत को 8 घंटे 5 मिनट का सम लगेगा और एग्जीक्यूटिव

क्लास का किराया 2880 रुपये होगा। जबकि, राजधानी यह सफर 8 घंटे 59 मिनट में करती है, लेकिन उसका किराया 2770 रुपये है। कहा जा रहा है कि दोनों ही ट्रेनों का बेस फेयर एक जैसा ही है, लेकिन केटरिंग चार्ज के चलते यह अंतर आ सकता है। एक ओर जहां वंदे भारत का बेस फेयर 2194 रुपये और केटरिंग चार्ज 434 रुपये है। वहीं, राजधानी के मामले में यह आंकड़ा क्रमशः 2269 रुपये और 245 रुपये है। हालांकि, जीएसटी, सुपरफास्ट और रिजर्वेशन चार्ज दोनों ही रेलगाड़ियों के बराबर है। इसके अलावा केटरिंग की सुविधा लेना भी यात्रियों के लिए वैकल्पिक है। एक अधिकारी का कहना है कि राजधानी में केवल डिनर सर्व किया जाता है। जबकि, वंदे भारत में यात्रियों के नाश्ते के साथ चाय और स्नैक्स भी मिलेंगे।

क्या होगा रूट और समय

त्रिवेंद्रम सेंट्रल से वंदे भारत सुबह 5 बजकर 20 मिनट पर निकलेगी और दोपहर 1 बजकर 25 मिनट पर कासरगोड़ पहुंचेगी। कासरगोड़ से वंदे भारत दोपहर 2 बजकर 30 मिनट पर रवाना होगा और त्रिवेंद्रम सेंट्रल रात 10 बजकर 35 मिनट पर पहुंचेगी। वंदे भारत इस रूट पर गुरुवार छोड़कर पूरे सप्ताह दौड़ेगी।

कसरगोड़ से यात्रा शुरू करने के बाद यह ट्रेन कन्नूर, कोझिकोड, शोरानुर, त्रिसुर, एर्नाकुलम टाउन, कोट्टायम और कोलम रुकेगी। एर्नाकुलम पर 3 मिनट के स्टॉप को छोड़कर हर स्टेशन पर ट्रेन 2 मिनट रुकेगी।

कूनो में एक और चीते की मौत, दक्षिण अफ्रीका से आए नर चीता उदय ने तोड़ा दम

भोपाल। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क में एक और चीते की मौत हो गई। दक्षिण अफ्रीका से लाए गए नर चीता उदय ने यहां बीमार पड़ने के बाद रविवार शाम इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मध्यप्रदेश के मुख्य वन संरक्षक जेएस चौहान ने चीता उदय की मौत की पुष्टि की है। इसके पहले 27 मार्च को नामीबिया से लाई गई मादा चीता साशा की किडनी की बीमारी से मौत हो चुकी है। कूनो में अब 18 चीते और चार शावक बचे हैं। दरअसल, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों को कूनो राष्ट्रीय उद्यान में रखा गया था। यहां दक्षिण अफ्रीका से लाए गए 12 चीतों में से एक नर चीते की रविवार शाम मौत हो गई। हाल ही में इसका नाम उदय रखा गया था। कूनो प्रबंधन के अनुसार सुबह चीता सुस्त देखा गया। स्वास्थ्य परीक्षण में बीमार मिलने के बाद उसे तुरंत उपचार भी शुरू कर दिया गया, परंतु शाम चार बजे उसने दम तोड़ दिया। चीते की मौत का स्पष्ट कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा। रविवार देर शाम राष्ट्रीय उद्यान वन विहार द्वारा जारी किए गए बयान के अनुसार रविवार सुबह नौ बजे चीते की दैनिक निगरानी के लिए दल द्वारा बाड़ा नंबर दो में मौजूद नर चीता उदय को सर झुकाए सुस्त अवस्था में बैठा पाया गया। करीब जाने पर वह लड़खड़ा कर एवं गर्दन झुका कर चलता मिला। हालांकि, एक दिन पहले वह स्वस्थ पूरी तरह था। उसकी शिथिलता की सूचना वायरलेस द्वारा तत्काल अन्य बाड़ों में चीता की निगरानी कर रहे वन्यप्राणी चिकित्सकों को दी गई। चिकित्सक दल ने तत्काल उसकी जांच की और बीमार घोषित किया। मौके पर मौजूद वन्यप्राणी चिकित्सकों एवं चीता कंजरवेशन फंड के चीता विशेषज्ञ ने उसे ट्रेंकुलाइज (बेहोश) करने की आवश्यकता महसूस की। मुख्य वन संरक्षक व प्रधान मुख्य वन संरक्षक से परामर्श व स्वीकृति के बाद 11 बजे उसे बेहोश कर मौके पर ही उपचार शुरू किया गया। उपचार के दौरान ही शाम लगभग चार बजे उसकी मौत हो गई। कूनो में किडनी की बीमारी से चीता साशा की मौत के मामले में कूनो प्रबंधन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने दावा किया था कि भारत लाए जाने के पहले ही वह बीमारी से ग्रसित थी। तब अधिकारियों ने अन्य सभी चीतों के पूरी तरह स्वस्थ होने का दावा किया था। मगर, एक और चीते की मौत ने अधिकारियों के दावे पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बता दें कि चीता पुनर्स्थापना प्रोजेक्ट के तहत 17 सितंबर 2022 को नामीबिया से आठ और 18 फरवरी 2023 को दक्षिण अफ्रीका 12 चीते लाए गए थे, जिनमें से दो की मौत हो चुकी है। हालांकि, इस दौरान सियाया मादा चीता ने चार शावकों को जन्म भी दिया है।

केंद्रीय वन मंत्रालय ने 20 अप्रैल को भी दी थी चीते के स्वस्थ होने की जानकारी

दक्षिण अफ्रीका से आए उदय चीते की मौत से स्वास्थ्य पर निगरानी रख रहा दल, इसलिए भी सवालों के घेरे में आया गया है, क्योंकि चीतों के नामकरण के दिन 20 अप्रैल को केंद्रीय वन मंत्रालय ने बयान जारी कर सभी 19 चीतों और चार शावकों के स्वस्थ होने की जानकारी दी थी।

18 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका से जब 12 चीतों को कूनो नेशनल पार्क में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रिलीज किया था तब कूनो में इनका कुनबा 20 तक जा पहुंचा था।

पुंछ आतंकी हमला : 40 से अधिक लोग से पूछताछ

पुंछ । जम्मू-कश्मीर के पुंछ में आतंकवादी हमले में शामिल आतंकवादियों को पकड़ने के लिए चलाए जा रहे एक बड़े अभियान के तहत 40 से अधिक लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बाटा डोरिया-तोता गली तथा पड़ोसी इलाकों में घेराबंदी और तलाश अभियान में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त बलों को तैनात किया गया है। तलाश अभियान के चौथे दिन कई सुरक्षा एजेंसियों के शामिल होने के साथ पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय राइफल्स इकाई द्वारा आयोजित इफ्तार के लिए अग्रिम इलाके के एक गांव में फलों और अन्य वस्तुओं को ले जा रहे ट्रक पर गुरुवार की शाम घात लगाकर हमला किया गया था, जिसमें सेना के पांच जवान शहीद हो गए और एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। अधिकारियों ने बताया कि जांच में पता चला है कि आतंकवादी ट्रक पर हमला करने से पहले भींबर गली-पुंछ सड़क मार्ग पर संभवत: एक पुलिया पर छिपे थे। उन्होंने बताया कि ऐसा अंदेशा है कि एक हमलावर ने सामने से सेना के ट्रक को निशाना बनाया होगा और फिर उसके साथियों ने पीछे की तरफ से गोलीबारी की होगी। जिससे सैनिकों को जवाबी कार्रवाई का मौका नहीं मिला होगा। इतना ही नहीं आतंकवादियों ने स्टील-कोर गोलियों का इस्तेमाल किया जो बख्तरबंद वाहन को भी भेद सकती हैं। भागने से पहले आतंकवादियों ने सैनिकों के हथियार और गोला बारुद भी चुराए। उन्होंने बताया कि बख्तरबंद वाहन पर गोलियों के 50 से अधिक निशान मिले। उन्होंने बताया कि तलाश अभियान के दौरान जवानों को इलाके में कुछ प्राकृतिक गुफा वाले ठिकाने भी मिले जिनका संभवत- पहले आतंकवादियों ने इस्तेमाल किया होगा। सेना आईईडी की भी तलाश कर रही है। आतंकवादी हमले के बाद वाहनों की आवाजाही के लिए बंद भीम्बर गली-पुंछ रोड को रविवार को यातायात के लिए फिर से खोल दिया गया। सेना के उत्तरी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने रविवार को बताया कि जानलेवा हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को पकड़ने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

अतीक-अशरफ की हत्या से सम्बंध पर लॉरेंस बिश्नोई का साफ इन्कार

नई दिल्ली। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) को बताया है कि प्रयागराज में 15 अप्रैल को अतीक और अशरफ की हत्या से उसका कोई संबंध नहीं है। इससे पहले गैंगस्टर से राजनेता बने भाई अतीक और अशरफ की हत्या में गिरफ्तार तीन में से एक आरोपी ने बिश्नोई को अपना रोल मॉडल बताया था। एनआईए के सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने हत्याकांड के तीनों आरोपियों के पास से बरामद हथियारों के बारे में बिश्नोई से पूछताछ की थी। उन्होंने कहा कि हत्यारों ने अतीक और अशरफ को मारने के लिए तुर्की में बनी जिगना पिस्तौल का इस्तेमाल किया था। एनआईए ने कहा कि यह वही हथियार है जिससे पंजाबी गायक सिद्धू सिंह मूसेवाला की हत्या की गई थी। इसलिए हमने उससे (बिश्नोई से) पूछताछ की। अब तक वह अतीक-अशरफ हत्याकांड के पीछे हाथ होने से इनकार कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि गैंगस्टर सुंदर भाटी का भी बिश्नोई से संबंध है। एजेंसी इस पहलू की भी जांच कर रही है। एनआईए ने पिछले साल तीन अलग-अलग प्राथमिकी (एफआईआर नंबर 37, 38 और 39) दर्ज की थी। एफआईआर नंबर 37 में विदेशों में बसे खालिस्तानी समर्थकों का उल्लेख है जो देश में अशांति फैलाने के लिए भारत के खिलाफ युद्ध की साजिश कर रहे हैं। एफआईआर नंबर 38 बंबईया गैंग के खिलाफ दर्ज किया गया था जिसमें नीरज बवाना, कौशल चौधरी और अन्य को आरोपी बनाया गया था। एफआईआर नंबर 39 में बिश्नोई, काला जाथेडी, काला राणा और उनके साथियों के नाम थे। बिश्नोई को पिछले सप्ताह एफआईआर 37 के सिलसिले में एक एनआईए अदालत में पेश किया गया था। इस मामले में एनआईए ने दीपक नाम के एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है जो बिश्नोई के संपर्क में था।

नागपुर में फैक्ट्री में भीषण आग, तीन मजदूरों की मौत

नागपुर । नागपुर में हिंगना एमआईडीसी की एक फैक्ट्री में भीषण आग लगाने से कम से कम तीन मजदूरों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। घटना कटारी एग्रो प्रा. लिमिटेड प्लांट में घटी जिसके बाद दमकलकर्मियों की टीमें आग बुझाने के लिए रवाना हुईं। चश्मदीदों ने कहा कि कारखाने के परिसर से गहरे धुएं के गुबार निकलते दिखाई दिए, जो दूर से ही दिखाई दे रहे थे। आग में कम से कम तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि अन्य तीन गंभीर रूप से झुलस गए और उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया। बताया जा रहा हैं कि कुछ और मजदूर कथित रूप से धधकते कारखाने के परिसर के अंदर फंसे हुए हैं और उन्हें बचाने के प्रयास जारी हैं, हालांकि आग लगने का कारणों का पता नहीं चला है। उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने त्रासदी पर दुख व्यक्त कर एजेंसियों को तत्काल बचाव और राहत अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से घायल मजदूरों का उचित इलाज सुनिश्चित करने को कहकर मुंबई से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं।

वाईएस शर्मिला ने पुलिसवालों को जड़ दिए थप्पड़े, मौहाल हुआ तनावपूर्ण

हैदराबाद । तेलंगाना में सोमवार को सड़क पर बड़ा नाटक देखने को मिला। यहां वाईएसआरटीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला ने पुलिसवालों को थप्पड़ मारे। कई बार महिला पुलिस को धक्का देकर धरने पर बैठ गईं। घंटों सड़क पर ड्रामा होता रहा। आखिर उन्हें पुलिस ने हिरासत में लेकर स्थानीय पुलिस स्टेशन लाया गया। शर्मिला टीएसपीएससी प्रश्न पत्र लीक मामले में एसआईटी कार्यालय जा रही थीं। तभी पुलिस उन्हें रोकने पहुंची थी। तमाम प्रयास के बाद वह नहीं रुकी, तब भारी पुलिस फोर्स उनकी गाड़ी के सामने खड़ी हो गई। उसके बाद सियासी ड्रामा शुरू हो गया। शर्मिला ने एसआईटी दफ्तर जाने का ऐलान किया था। सूचना पर पुलिस उसके घर के बाहर जमा हो गई। उन्हें घर से बाहर निकलने से रोक दिया गया। जब शर्मिला कार से बाहर जा रही थी.. पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस शर्मिला गाड़ी को आगे बढ़ने से रोक रही थी। शर्मिला की गाड़ी चला रहा ड्राइवर धीरे-धीरे गाड़ी बढ़ा रहा था और पुलिसवाले आगे खड़े होकर गाड़ी रोकने का प्रयास कर रहे थे। जब शर्मिला का गाड़ी नहीं रुकी, तब दर्जनों पुलिसवाले उनकी गाड़ी के आगे आकर खड़े हो गए। इससे नाराज वाईएस शर्मिला की पुलिस से तीखी नोकझोंक हो गई। पुलिस के विरोध में शर्मिला कुछ देर सड़क पर बैठ गईं। पुलिस ने शर्मिला को सड़क से उठाने की कोशिश की। बाद में शर्मिला ने पुलिस को धक्का देकर बाहर जाने का प्रयास किया। वह घर के बाहर पैदल निकल रही थीं और पुलिसवाले उन्हें रोक रहे थे। इस दौरान महिला पुलिस ने उनका हाथ पकड़ा तो उन्होंने कई बार महिला पुलिसकर्मियों को धक्का दिया और हाथ छुड़ाकर आगे जाने का प्रयास किया। इस दौरान एक पुलिसवाले को वाईएस शर्मिला ने अचानक थप्पड़ जड़ दिया। कुछ देर बाद एक अन्य पुलिसवाले को थप्पड़ जड़े। जिसके बाद कुछ देर के लिए वहां तनाव का माहौल बन गया। तनावपूर्ण स्थिति की पृष्ठभूमि में वाईएस शर्मिला को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें जबरन पुलिस वाहन में बिठाया गया और जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

देश में 69 दिनों के बाद कोरोना के मामलों में लगा ब्रेक

नई दिल्ली । देश में कोरोना की रफ्तार पर 69 दिनों बाद ब्रेक लगा है। देश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 7,178 नए मामले सामने आए हैं। पिछले कुछ दिनों से रोजाना 10 हजार से ज्यादा मामले सामने आ रहे थे, जिससे टेंशन बढ़ रही थी। देश में अबतक कोरोना से संक्रमित लोगों की कुल संख्या 4.48 करोड़ हो गई। देश में 69 दिन बाद कोरोना के अंडर ट्रीटमेंट पेशंट्स की संख्या में गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले रविवार को 10,112 लोग कोरोना से संक्रमित हुए थे। 22 अप्रैल को शनिवार को कोरोना के 12,193 नए मामले सामने आए थे। 21 अप्रैल को कोरोना के 11,692 नए केस दर्ज किए थे। वहीं 20 अप्रैल को 12,591 लोग कोरोना से संक्रमित हुए थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, बीते 24 घंटे में कोरोना से 16 लोगों की मौत हुई है। देश में कोरोना संक्रमण से जान गंवाने वाले लोगों की कुल संख्या बढ़कर 5,31,345 हो गई। मौत का यह आंकड़ा अब भी डराने वाला है। इसके बाद कोरोना से सतर्क रहने की जरूरत है। देश में अभी 65,683 कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का 0.15 प्रतिशत है।

तमाम विपक्षी दल देश में एक रोबोट प्रधानमंत्री बनवाना चाहते हैं : सुशील मोदी

पटना (एजेंसी)। देश में 2024 लोकसभा चुनाव के बाद खिचड़ी सरकार बनेगी? क्या तमाम विपक्षी दल एक साथ मिलकर पीएम नरेंद्र मोदी को हराने का माद्दा रखते हैं? विपक्षी एकता की बात हो रही है, लेकिन चेहरा कौन होगा इस पर कोई विमर्श नहीं हो रहा। क्या तमाम विपक्षी दलों का पहला लक्ष्य दिल्ली की सत्ता से मोदी सरकार को हटाना है? दरअसल बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी का यह कहना है कि विपक्षी एकता के नाम पर यूपीए सरकार की तरह विपक्ष के तमाम दल एक रोबोट को प्रधानमंत्री के तौर पर देखना चाहते हैं। जिसका रिमोट तमाम विपक्षी दलों के पास रहे और वह रोबोट को अपने मर्जी के अनुसार चला सकें।

राज्यसभा सांसद मोदी ने वीर कुँवर सिंह के विजयोत्सव और राष्ट्रकवि दिनकर की पुण्यतिथि पर कहा कि इन दोनों महापुरुषों ने अपने-अपने समय में स्वाधीन, शक्तिशाली और विजयी भारत के लिए संघर्ष किया था। उन्होंने कहा कि कुंवर सिंह ने तलवार से और दिनकर ने कलम से देश के शौर्य का आह्वान किया था। जबकि आज कुछ लोग केवल निजी महत्वांकाक्षा के चलते देश के शक्तिशाली नेतृत्व की जगह कमजोर प्रधानमंत्री बैठाना चाहते हैं। सुशील मोदी ने कहा कि जब देश को राव, देवगौड़ा, आई के गुजराल और मनमोहन सिंह जैसे कमजोर प्रधानमंत्री मिलते रहे। तब जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद बढ़ा और मुंबई में 26/11 के आतंकी हमले के बाद भी आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब नहीं दिया गया।

सुशील मोदी ने कहा कि भारत को दयनीय छवि से मुक्ति तब मिली, जब अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने अमेरिकी प्रतिबंध की परवाह किए बिना पांच परमाणु परीक्षण कर दुनिया को अपनी शक्ति का आभास कराया था। उन्होंने कहा कि परमाणु परीक्षण और कारगिल विजय जैसी उपब्धियों को गंवाकर मनमोहन सरकार ने देश को सीरियल धमाके और सीरियल घोटाले के दौर में पहुंचा दिया था। आज कुछ राज्यों के मुख्यमंत्री उसी डरावने दौर की वापसी के लिए सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार के समय जब उरी में हमला कर हमारे 19 जवानों का बलिदान लिया गया। तब 10 दिन के भीतर शत्रु की सीमा में घुस कर एयर स्ट्राइक की गई और 38 आतंकियों को मार गिराया गया।

सुशील मोदी ने कहा कि पुलवामा में धोखे से विस्फोट कर जब आतंकियों ने 40 जवानों को मारने का दुस्साहस किया। तब मात्र 12 दिन बाद वायुसेना ने बालाकोट में सर्जिकल कर दर्जनों आतंकी कैंप ध्वस्त कर जैश-ए-मुहम्मद के लगभग 300 आतंकवादियों को मिट्टी में मिला दिया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद पर सर्जिकल स्ट्राइक के समय जो लोग सेना के पराक्रम का प्रमाण मांगते घूम रहे थे। वही आज विपक्षी एकता के बहाने दिल्ली में रोबोट प्रधानमंत्री बनवाना चाहते हैं।

राहुल के बाद प्रियंका का दौरा, मंगलवार को कर्नाटक में करेंगी चुनाव प्रचार

बेंगलुरु। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा मंगलवार को कर्नाटक राज्य में पार्टी के लिए प्रचार करेंगी। वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के दो दिवसीय दौरे के बाद प्रियंका गांधी की यात्रा से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों का उत्साह बढ़ने की संभावना है। कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में बस कुछ ही हफ्ते बचे हैं। इस कड़ी में चुनाव की घोषणा के बाद प्रियंका गांधी का राज्य का यह पहला दौरा है। इससे पहले वह अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कर्नाटक गई थीं, इस दौरान गृह लक्ष्मी योजना की प्रमुख घोषणाएं की गईं। योजना के तहत, कांग्रेस ने परिवार की प्रत्येक महिला मुखिया को 2,000 रुपये भत्ता देने का वादा किया है। जानकारी के अनुसार पार्टी राज्य में एक मेगा कार्यक्रम की योजना बना रही है। प्रियंका गांधी पुराने मैसूरु क्षेत्र में टी, नरसीपुरा, हनूर और के.आर. नगर के लिए प्रचार करेंगी। पार्टी सूत्रों का दावा है कि वह राज्य की महिला मतदाताओं से भी अपील करेंगी। कर्नाटक में चुनाव जीतने की अपनी संभावनाओं से उत्साहित कांग्रेस ने भाजपा में विद्रोह फूटने के बाद और अधिक आक्रामक प्रचार अभियान शुरू कर दिया है।

ओवैसी की अमित शाह को सलाह, कभी महंगाई-बेरोजगारी पर भी बात करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजीलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने गृहमंत्री अमित शाह को सलाह दी है ?कि वह कभी महंगाई बेरोजगारी पर भी बात करें तो अच्छा हो। गौरतलब है ?कि तेलंगाना में अगले कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होना है। चुनाव से पहले राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच जुबानी जंग और तेज हो गई है। एआईएमआईएम नेता ने कहा कि ये ओवैसी-ओवैसी का रोना कब तक चलेगा। इधर बीजेपी ने भी इस पर जवाब दिया है। तेलंगाना में रविवार को एक रैली में अमित शाह ने कहा था कि अगर भाजपा तेलंगाना की सत्ता में आई तो मुस्लिमों के लिए आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा। इसके अलावा शाह ने केसीआर की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह ओवैसी के एजेंडे पर चल रहे हैं। शाह के इस बयान पर पलटवार करते हुए ओवैसी ने कहा कि कभी रिकॉर्ड तोड़ महंगाई और बेरोजगारी पर भी बात किया करें।

एआईएमआईएम नेता ने अमित शाह को टैग करते हुए एक ट्वीट में पूछा, ये ओवैसी-ओवैसी का रोना कब तक चलेगा? खाली खट्टे डॉयलॉगां मारते रहते हैं। कभी तो रिकॉर्ड तोड़ महंगाई और बेरोजगारी की भी बात करो। तेलंगाना में प्रति व्यक्ति आय देश में सबसे अधिक है।

इसके साथ ही ओवैसी ने आगे कहा कि मोदी पसमांदा मुस्लिमों तक पहुंचने की बात करते हैं। वहीं, शाह मुस्लिम आरक्षण हटाने की बात करते हैं। मुस्लिम विरोधी हेट स्पीच के अलावा बीजेपी के पास तेलंगाना के लिए कोई विजन नहीं है। वे केवल फर्जी मुठभेड़, हैदराबाद पर सर्जिकल स्ट्राइक, कर्फ्यू, बुलडोजर और अपराधियों को रिहा करने की बात करते हैं। आप तेलंगाना के लोगों से इतनी नफरत क्यों करते हैं? ओवैसी ने कहा कि अगर शाह एससी, एसटी और ओबीसी के लिए न्याय के बारे में गंभीर हैं, तो उन्हें 50 फीसदी कोटा सीमा को हटाने के लिए एक सर्वैधानिक संशोधन पेश करना चाहिए। गौरतलब है कि शाह रविवार को तेलंगाना के चेवेल्ला में विजय संकल्प सभा को संबोधित कर रहे थे। शाह ने तेलंगाना मुक्ति दिवस नहीं मनाने के लिए केसीआर की आलोचना की।

कर्नाटक चुनाव : मोदी, योगी 29 अप्रैल को बेलागावी आएंगे

हुबली। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने घोषणा की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रचार अभियान के लिए 29 अप्रैल को कर्नाटक के बेलागवी जिले में पहुंचने वाले हैं। भाजपा ने टिकट नहीं मिलने से नाराज अपने वरिष्ठ लिंगायत नेताओं के कांग्रेस में शामिल होने के मद्देनजर उत्तर कर्नाटक में बड़े कार्यक्रमों की योजना बनाई है। जोशी ने कहा, मैंने प्रधानमंत्री मोदी के साथ बेलगावी की एक और यात्रा के लिए अनुरोध किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार शाम को हुबली का दौरा कर रहे हैं और जिला पदाधिकारियों और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक करने वाले हैं, वह धारवाड़ और गडग जिलों में जीतने के लिए रणनीति पर मार्गदर्शन करने वाले हैं।

चार धाम यात्रा शुरु, भारी बर्फबारी के बीच धामी सरकार ने एडवाइजरी भी जारी की

-मौसम के पूर्वनुमान को देखकर यात्रा करे

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड चार धाम यात्रा की शुरुआत 22 अप्रैल से शुरू हो गई है। 25 अप्रैल को केदारनाथ धाम के कपाट खुल जाएंगे। वहीं केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से पहले शनिवार और रविवार को वहां भारी बर्फबारी हुई। बर्फबारी होने के बाद धामी सरकार की ओर से एडवाइजरी भी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार 29 अप्रैल तक बारिश और बर्फबारी का अनुमान है। उत्तराखंड सीएम पुष्कर धामी ने भी यात्रियों से अपील की है कि मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए अपनी यात्रा की शुरुआत करें। बर्फबारी होने के बाद जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं से मौसम के अनुसार यात्रा करने की अपील की है। जिला प्रशासन की टीम की ओर से कहा गया है कि श्रद्धालु मौसम के पूर्वानुमान को देखते हुए यात्रा की तैयारी करें। खराब मौसम को देखकर गढ़वाल कमिश्नर ने केदारनाथ के रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाई है। मौसम की स्थिति स्पष्ट होने के बाद फिर से रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। बता दें, सनातन धर्म में चार धाम यात्रा का विशेष महत्व है। इसके बाद में हर साल हजारों की संख्या में केदारनाथ धाम पहुंचते हैं।

वहीं कपाट खुलने से पहले बाबा केदार के पौराणिक मंदिर को सजाया जा रहा है। केदारनाथ मंदिर को सजाने कद लिए 23 कुंतल से ज्यादा तरह तरह के फूल लाए गए हैं। सुबह से ही मंदिर समिति द्वारा कई लोगों को मंदिर को सजाने के काम में लगाया गया है। केदारनाथ धाम में आज सुबह चटक धूप खिली है, लेकिन धाम में पल-पल मौसम बदल रहा है जिससे दिक्कतें बढ़ रही है, वहीं सुबह से ही बड़ी सख्या में बाबा के भक्त केदारनाथ पहुंचने लगे हैं, वहीं शाम तक बाबा की उत्सव डोली भी धाम पहुंच जाएगी और 25 अप्रैल सुबह 6 बजकर 20 मिनट पर बाबा के कपाट खुल जाएंगे।

बार काउंसिल ने किया समलैंगिक विवाह का विरोध, प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। बार काउंसिल ने भी समलैंगिक विवाह का विरोध किया है। इसे संसद पर छोड़ने का हवाला भी दिया है। गौरतलब है कि समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के मामले में इन दिनों सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। कोर्ट में केंद्र सराकर ने समलैंगिक विवाह के अधिकार का विरोध किया है। केंद्र के बाद अब बार काउंसिल ऑफ इंडिया और स्टेट बार काउंसिलों ने भी इस सुनवाई का विरोध किया है और कहा है कि देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता को देखते हुए इसे संसद पर छोड़ देना चाहिए। बीसीआई के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा और अन्य राज्य बार काउंसिलों की संयुक्त बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में कहा गया कि अगर कोई मामला देश के मौलिक सामाजिक ढांचे में परिवर्तन करता है तो इसका वृहद् स्तर पर प्रभाव पड़ता है। इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। अगर ऐसा कोई नियम लगाया जाता है तो यह विधायी प्रक्रिया से आना चाहिए।

प्रस्ताव में कहा गया है कि शीर्ष न्यायालय द्वारा इस मामले में कोई भी फैसला हमारी भविष्य की पीढ़ियों के लिए नुकसानदेय हो सकता है। यह मामला बहुत ही संवेदनशील है। समाज के बहुत सारे वर्ग इसका विरोध करते हैं। बार काउंसिल ने सुप्रीम कोर्ट से निवेदन किया है कि इस मामले को संसद के लिए छोड़ दिया जाए। कहा गया, देश के 99.9 प्रतिशत लोग समलैंगिक विवाह का विरोध करते हैं। बहुत सारे लोगों को लगता है कि सुप्रीम कोर्ट का कोई भी फैसला याचिकाकर्ताओं के पक्ष में होगा जो कि देश के सामाजिक धार्मिक ढांचे के विरुद्ध होगा।

अजीत पर पवार की दो टूक, मैं कड़ा फैसला लूंगा

-महाविकास अघाड़ी को लेकर अभी कुछ नहीं कह सकता हूं

मुंबई (एजेंसी)। एनसीपी सुप्रिमो के भतीजे और महाराष्ट्र के बड़े नेताओं में शुमार अजित पवार के पार्टी से अलग होने के कयासों को भले ही एनसीपी दबाने की कोशिश कर रही है, लेकिन धुंआ है, तब जरूर आग भी लगी ही है। खुद शरद पवार के बयान भी इसके संकेत दे रहे हैं। एनसीपी मुखिया पवार ने फिर से पार्टी में सब कुछ सही ना होने का संकेत देकर कहा कि यदि कोई पार्टी से अलग ही जाना चाहता है, तब वह ऐसा कर सकता है। यह उनकी रणनीति हो सकती है। यदि हमें कोई स्टैंड लेना होगा, तब मैं कड़ा फैसला लूंगा। इस मसले पर कुछ भी बोलना ठीक नहीं है। इस मामले पर हमने कोई बात ही नहीं की है। पवार को लेकर उठे सवालों पर दिग्गज नेता ने यह बात कही।

शरद पवार ने कहा कि पार्टी में अजित को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि रविवार को

पार्टी की बैठक में कोई बात ही नहीं हुई। हालांकि सुप्रिया सुले ने अजित दादा के उस बयान का समर्थन किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि मैं सीएम पद के लिए तैयारी कर रहा हूं। सुप्रिया ने कहा कि राजनीति में महत्वाकांक्षा रखना कोई गलत बात नहीं है। सुले ने कहा, राजनीति में महत्वाकांक्षा होना या कोई सपना देखना गलत नहीं है। हर कोई सोचता है, इसलिए मैं नहीं मानती कि खुलकर बोलने में कुछ गलत है। यहां तक कि वे अपनी महत्वाकांक्षा के बारे में बोलने में काफी ईमानदार हैं।

दरअसल अजित ने 2024 के लोकसभा चुनाव के बारे में पूछने पर कहा था कि मैं तब फिलहाल मुख्यमंत्री पद के लिए तैयारी कर रहा हूं। हालांकि सुप्रिया ने अजित के एनसीपी छोड़कर भाजपा संग जाने के सवालों पर खुलकर कुछ नहीं कहा। सुप्रिया ने कहा कि मैं राज्य के विकास कार्यों में बिजी हूं। मुझे दुख है कि राज्य में तमाम तरह की गॉसिप हो रही हैं, लेकिन किसी का भी ध्यान किसानों के मसले पर नहीं है। अफवाहों की बजाय इसतरह के मुद्दों पर ध्यान होना चाहिए। शरद पवार ने इस बीच महा विकास अघाड़ी को लेकर भी अहम टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि आज हम गठबंधन का हिस्सा हैं और साथ काम करने की भावना है। लेकिन इच्छा ही तब काफी नहीं होती। सीटों के बंटवारे को लेकर कोई नहीं हुई है। इसलिए मैं यह अभी कैसे बता सकता हूं कि 2024 में सभी साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे या फिर क्या तैयारी रहेगी।

गांधी परिवार के लिए देश में अलग से कानून नहीं बनेगा : अनुराग ठाकुर

ऊना (एजेंसी)। देश में जो कानून हर नागरिक के लिए है, वहीं कानून राहुल व सोनिया गांधी के लिए भी है। गांधी परिवार के लिए देश में अलग से कानून नहीं बनाया जाएगा। यह बात केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने जिला ऊना के चिंतपूर्णी विधानसभा क्षेत्र के मैड़ी में अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान कही। इस मौके पर ठाकुर ने गांधी परिवार पर जमकर निशाना साधकर कहा कि कांग्रेस जिस तरह देश में माहौल बनाने का प्रयास कर रही है, उन्हें समझ लेना चाहिए कि गांधी परिवार के लिए विशेष कानून का प्रावधान नहीं होगा। देश में हर नागरिक के लिए एक समान कानून है, कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के व्यवहार को देखकर वर्ष 2018 में भी सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें लताड़ लगाई थी, उस समय भी राहुल गांधी ने माफी मांगी थी। अब पुन-उन्होंने वहीं गलती की है, जिस पर अदालत ने राहुल गांधी को सजा सुनाई है।

उन्होंने कहा कि इसमें भाजपा का कोई हाथ नहीं है। कांग्रेस के लोग बिना वजह मामले को तूल देकर माहौल को बिगाडने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अपने व्यवहार को देखकर अपनी भाषा के लिए माफी मांगनी चाहिए। इस दौरान खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तरक्की कर रहा है और आने वाले दिनों में भारत की अर्थव्यवस्था टॉप थ्री में पहुंच जाएगी।

ठाकुर ने कहा कि जब से प्रदेश में सुक्खू सरकार आई है, हिमाचलियों का सुख व चैन खो गया है। कांग्रेस सरकार प्रदेश वासियों को कोई नई सुविधा तब दे नहीं पाई, उल्टा जयराम सरकार के समय लोगों को मिली सहूलियतें भी छीन ली गई।

इस देश को अफगानिस्तान और यूक्रेन नहीं बनने देंगे,

शुभेंदु अधिकारी बोले- लोग मोदी जैसे मजबूत नेता को नहीं छोड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को यहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात की और उन्होंने विपक्षी दलों का गठबंधन बनाने की वकालत की। दोनों क्षेत्रीय नेताओं ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए मिलकर तैयारी करने की जरूरत पर जोर दिया। अब इसको लेकर बीजेपी हमलावर है। पहले तो बीजेपी नेता अमित मालवीय ने दोनों पर कटाक्ष किया और अब शुभेंदु अधिकारी की तरफ से भी बयान सामने आया है।

पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि हम इस देश को अफगानिस्तान और यूक्रेन नहीं बनने देंगे। इसलिए हमें एक मजबूत पीएम की जरूरत है। पीएम मोदी ने अफगानिस्तान और यूक्रेन में फंसे लोगों को रेस्क्यू किया। अब पीएम मोदी सूडान से भारतीयों को निकाल रहे हैं। लोग मोदी जैसे मजबूत नेता को नहीं

छोड़ेंगे और उनके जैसे कमजोर नेताओं के पास जाएंगे।

बीजेपी नेता अमित मालवीय ने कहा कि क्या नीतीश कुमार बतौर मुख्यमंत्री बिहार के लिए कुछ कर रहे हैं? उन्होंने ममता बनर्जी से मुलाकात की। ममता बनर्जी ने अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की। शरद पवार से मिले अरविंद केजरीवाल विपक्ष बैठकों की इस श्रृंखला को जारी रख सकते हैं। अमित मालवीय ने कहा कि विपक्ष का नेता कौन है? इसकी नीतियां क्या हैं? ये देश के लिए क्या सोच रहे हैं? इस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। यदि विपक्ष केवल 'मोदी हटाओ' के मूल मंत्र के साथ 2024 का चुनाव लड़ना चाहता है, तो स्वाभाविक रूप से उसे जनता का समर्थन नहीं मिलेगा।

ओडिशा : तेंदुए की खाल के साथ दो गिरफ्तार

भुवनेश्वर । ओडिशा पुलिस ने कंधमाल जिले में एक तेंदुए की खाल जब्त कर वन्यजीव व्यापार में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है। राज्य पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कंधमाल जिले के खजूरीपाड़ा में छापा मारकर दो अपराधियों के कब्जे से तेंदुए की खाल जब्त की। दोनों आरोपियों की पहचान कंधमाल जिले के रहने वाले सुजीत राजस्वदीप और धनंजय बेहरा के रूप में हुई है। उन्होंने कहा कि जब्त तेंदुए की खाल को जैविक परीक्षण के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून भेजा जाएगा।

पंजाब प्रांत में चुनावी अनिश्चितता के बीच पीटीआई ने चुनावी अभियान शुरु किया

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी ने घोषणा की कि औपचारिक रूप से पंजाब में अपना चुनाव अभियान शुरू कर रही है। हालांकि राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण प्रांत में चुनाव की तारीख पर कोई स्पष्टता नहीं है। पीटीआई महासचिव असद उमर ने ट्वीट कर कहा कि तहरीक-ए-इंसाफ 24 अप्रैल को आधिकारिक तौर पर अपना चुनावी अभियान शुरू करेगी। वे (पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट) तैयार नहीं हो सकते हैं, लेकिन हम तैयार हैं। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाले राजनीतिक दलों का एक गठबंधन है, जो वर्तमान में देश पर शासन कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि पंजाब में चुनावों को लेकर अनिश्चितता के बावजूद पीटीआई ने चुनाव अभियान शुरू करने की घोषणा की, सबसे अधिक आबादी वाला प्रांत जो लगभग 150 सांसदों को नेशनल असेंबली में भेजता है। पाकिस्तान का चुनाव आयोग (ईसीपी) चुनाव कराने के लिए संघीय सरकार से धन की प्रतीक्षा कर रहा है। रक्षा मंत्रालय ने ईसीपी को सूचित किया है कि पाकिस्तानी सेना सुरक्षा प्रदान करने के लिए उपलब्ध नहीं होगी। संसद और न्यायपालिका ने भी पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में चुनाव कराने को लेकर आमना-सामना किया है, क्योंकि नकदी की तंगी वाली सरकार ने देश के सामने आर्थिक संकट के बीच खर्च को पूरा करने के लिए धन को अधिकृत करने से मना किया है। सुप्रीम कोर्ट ने संघीय सरकार को ईसीपी के लिए 10 अप्रैल तक 21 अरब रुपये की धनराशि जारी करने और चुनाव के लिए सुरक्षा प्रदान करने का निर्देश दिया है। हालांकि, सरकार ने चुनाव के लिए धन जारी करने से इनकार कर दिया क्योंकि संसद ने प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

पादरी के उकसावे पर यीशू से मिलने की चाहत में 47 लोगों ने दे दी जान

नैरोबी। केन्या में एक पादरी के उकसावे में आकर करीब 47 लोगों ने अपनी जान दे दी। पादरी ने यीशू से मिलने का झूटा दिलासा दिया था, बदले में ये लोग भूखे रहे और जान चली गई। जानकारी के अनुसार पुलिस ने ईसाई पंथ के अनुयायियों की मौत के सिलसिले में जारी जांच के बीच ही देश के पूर्व में स्थित कब्रिस्तान से कई दर्जनों शव निकाले हैं। ये शव उन लोगों के हैं जो यह मानते थे कि अगर वे खुद को मौत के घाट उतार देंगे तो वे स्वर्ग जाएंगे। मीडिया में आई खबरों के मुताबिक अब तक निकाले गए शवों की संख्या 47 है। जिस जमीन पर ये शव मिले हैं उस पर एक पादरी का अधिकार है। पादरी को अपने अनुयायियों को आमरण अनशन करने के लिए उकसाने के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। मलिंदी उप-काउंटी पुलिस प्रमुख जॉन केम्बोई ने कहा कि पादरी पॉल मैकेंजी की जमीन पर अभी और कब्रें खोदी जानी बाकी हैं। पादरी पॉल मैकेंजी को तांत्रिक गतिविधियों के सिलसिले में 14 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। इस मामले में मृतकों की कुल संख्या बढ़ सकती है। पिछले हफ्ते चर्च में चार लोगों की भूख से मौत हो गई थी। इसके बाद पुलिस ने अदालत से कहा है कि उन्हें मैकेंजी को अधिक समय तक हिरासत में रखने की अनुमति दी जाए क्योंकि उनके अनुयायियों की मौत की जांच जारी है। पुलिस को पिछले हफ्ते पहला शव मिला था। इसके बाद उसने बाकी शवों की तलाश के लिए अभियान शुरू किया। शुक्रवार को किलिफी काउंटी में मालिंदी के पास शाखोला में 325 हेक्टेयर (800 एकड़) के जंगल में शवों की तलाश के लिए खुदाई शुरू हुई। केन्या के आंतरिक मंत्री किथुरे किंडिकी ने कहा था कि वह मंगलवार को साइट का दौरा करेंगे। रविवार को उन्होंने एक ट्वीट में अभियान के बाद मिले शवों को शकाहोला जंगल नरसंहार के रूप में बताया। इस पूरे मामले ने सभी को हैरान कर दिया है। इधर मैकेंजी ने गिरफ्तार होने के बाद जेल में ही भूख हड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस ने कहा कि बचाए गए 15 उपासकों को खुद को भूखा मरने के लिए कहा गया था ताकि वे अपने निर्माता यानी भगवान से मिल सकें। इनमें से चार की अस्पताल पहुंचने से पहले ही मौत हो गई।

भारतीय आईफोन के लिए, पाकिस्तानी मुफ्त राशन के लिए लग रहे कतारों में

इस्लामाबाद पकिस्तान में आर्थिक हालात सही नहीं है, यही वजह है कि भारत में ऐपल स्टोर खुलने पर पाकिस्तानियों द्वारा तंज किया जा रहा है। गौरतलब है कि ऐपल ने इसी महीने भारत के दो महानगरों मुंबई और दिल्ली में अपना स्टोर खोला है। ऐपल के सीईओ टिम कुक ने खुद भारत आकर इन स्टोर्स का उद्घाटन किया। उद्घाटन के दौरान दोनों ही स्टोर्स पर ग्राहकों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें भी वायरल हुईं जिसमें कुक ग्राहकों के साथ सेल्फी खिंचाते दिख रहे थे। भारत में ऐपल स्टोर्स को लेकर पाकिस्तान से भी प्रतिक्रिया आई है। पाकिस्तानियों का कहना है कि भारत के लोग जहां ऐपल स्टोर्स के बाहर लाइन लगा रहे हैं, वहीं पाकिस्तान के लोग मुफ्त राशन की लंबी कतारों में खड़े होने को मजबूर हैं। भारत में विदेशी निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल की तारीफ करते हुए एक पाकिस्तानी यूजर ने ट्विटर पर लिखा, पाकिस्तान का भारत से तुलना करने का स्वांग आखिरकार खत्म हो गया। हम भारत के साथ तुलना में कहीं भी खड़े नहीं होते। पाकिस्तान के नेताओं ने बस भारत के खिलाफ रक्षा बजट के नाम पर भारी संपत्ति जमा की है। एक यूजर ने अपने ही देश पर तंज करते हुए कहा, मुंबई में पहला ऐपल स्टोर खुलने पर भारतीय जश्न मना रहे हैं और पाकिस्तान अपने चिड़ियाघर के जानवरों या अपनी मुद्रा, यहां तक कि अपने संस्थानों की भी देखभाल नहीं कर पा रहा है। एक अन्य पाकिस्तानी यूजर ने लिखा, एक तरफ मुंबई है जहां ऐपल स्टोर के बाहर सैकड़ों लोग कतार में खड़े हैं, वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान है, जहां सैकड़ों लोग मुफ्त राशन लेने के लिए कतार में खड़े हैं। इन प्रतिक्रियाओं से साफ हो जाता है कि पाकिस्तान में किस तरह के हालात हैं।

बांग्लादेश में आकाशीय बिजली गिरने से नौ लोगों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में भारी बारिश के बीच दो घंटे से भी कम समय में सिलसिलेवार आकाशीय बिजली गिरने से नौ लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्राप्त समाचारों के अनुसार, रविवार सुबह 10 बजे से 11 बजे के बीच सुनामगंज, मौलवीबाजार और सिलहट जिलों के अलग-अलग इलाकों में मौतों की सूचना मिली। अधिकतर मौतें ग्रामीण इलाकों में हुईं जहां लोग अपने खेतों पर काम कर रहे थे। साल के इस समय के दौरान घनी आबादी वाले देश में बज्रपात से मौतों की खबर आम है। बांग्लादेश में आकाशीय बिजली गिरने से होने वाली मौतों में वृद्धि देखी गई है, पिछले कुछ सालों में सालाना सैकड़ों मौतें दर्ज की गई हैं। विशेषज्ञों का दावा है कि यह जलवायु परिवर्तन के कारण है। बांग्लादेश इस मामले में अधिक संवेदनशील है।

चीनी खतरे के बीच ऑस्ट्रेलिया खरीदेगा लंबी रेंज की मिसाइलें

मेलबर्न । ऑस्ट्रेलिया अपनी डिफेंस स्ट्रैटजी में सेकेंड वर्ल्ड वॉर के बाद का सबसे बड़ा बदलाव करने जा रहा है। इसके लिए सरकार ने परमाणु हथियारों वाली पनडुब्बियां और लंबी रेंज वाली मिसाइलें खरीदने की योजना बनाई है। इसके लिए प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की सरकार 98 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। पूरी प्लानिंग के लिए 110 पन्नों की रिपोर्ट तैयार की गई है। इसमें कहा गया है कि मिसाइलों के युग में केवल दुनिया से दूर रहकर अपनी सुरक्षा नहीं की जा सकती है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया एक आईलैंड नेशन है, उसकी जमीनी सीमा दूसरे देशों जुड़ी हुई नहीं है।

टोक्यो में रेनबो प्राइड परेड में मार्च करते हुए एलजीबीटी समुदाय के सदस्य।

तारेक फतेह का कनाडा के टोरंटो में निधन

-पाकिस्तान में विस्थापित हुए तारेक खुद को हिन्दुस्तानी मानते थे

टोरंटो । पाकिस्तानी मूल के इस्लामिक स्कॉलर 73 वर्षीय तारेक फतेह का सोमवार को लंबी बीमारी के बाद टोरंटो में निधन हो गया। तारेक फतेह जिहाद के सख्त विरोधी थे और खुद को हिंदुस्तानी कहते थे। पाकिस्तानी सरकार और फौज के कट्टर विरोधी थे फतेह। वे हमेशा कहते थे कि दूसरों की जान लेना जिहाद नहीं है। फतेह की किताब 'चेसिंग ए मिराज-द ट्रैजिक इल्यूजन ऑफ एन इस्लामिक स्टेट' बेस्ट सेलर साबित हुई। इसके अलावा, 'द ज्यू इज नॉट माय एनिमी' भी दुनिया भर में काफी लोकप्रिय रही। बेटी नताशा ने पिता फतेह के निधन की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की। तारेक फतेह का जन्म 20 नवंबर 1949 को पाकिस्तान के कराची में हुआ था। 1960 और 1970 के दौर में वामपंथी विचारधारा से प्रेरित रहे। उन्हें पढ़ने लिखने का बहुत शौक था और यही शौक उन्हें पत्रकारिता में ले आया। उस दौरान पाकिस्तान में फौजी शासन था। फतेह को इस दौरान दो बार जेल भी जाना पड़ा। 1977 में जनरल जिया-उल-हक ने उन ने गद्दारी का आरोप लगाकर अखबारों में कॉलम लिखने पर भी रोक लगा दी थी। इसके बाद 1987 में पाकिस्तान छोड़ सऊदी अरब चले गए। यहां उन्होंने दस सालों तक एक एडवरटाइज़िंग अधिकारी के रूप में कार्य किया। इसके बाद उन्होंने कनाडा में बसने का फैसला किया। फतेह सोशल मीडिया पर बहुत पॉपुलर थे। उन्हें अक्सर टीवी डिबेट्स में और टीवी होस्ट के रूप में देखा जाता था। तारेक फतेह खुलकर कहते थे की मैं पंजाब का शेर, हिंदुस्तान का बेटा, कनाडा का प्रेमी, सच्चाई का पैरोकार और नाइंसाफी के खिलाफ लड़ने वाला शख्स हूं।

भारत-गुयाना समकालीन दौर के लिए उपयुक्त साझेदारी बना रहे हैं : जयशंकर

रियाद (एजेंसी)। जॉर्जटाउन। गुयाना को भारत का ''बहुत खास सहयोगी'' बताते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यहां भारतीय समुदाय को संबोधित किया और कहा कि दोनों देश ऐसी साझेदारी बना रहे हैं जो समकालीन दौर के उद्देश्य के लिए उपयुक्त है। गुयाना की पहली यात्रा पर आए जयशंकर ने भारतीय समुदाय को गुयाना के नेतृत्व से बातचीत होने की जानकारी दी और कहा कि दोनों देशों ने अपनी साझेदारी के स्तर में सुधार लाने का संकल्प लिया है। उन्होंने रविवार को भारतीय समुदाय को संबोधित करने के बाद ट्वीट किया, ''गुयाना में आज शाम को भारतीय समुदाय से बात करके खुशी हुई। हमारे साथ बातचीत के लिए उपराष्ट्रपति भरत जगदेव और स्पीकर मंजूर नादिर का शुक्रिया। उन्हें बताया कि हम एक साझेदारी बना रहे हैं जो समकालीन दौर के उद्देश्य के लिए उपयुक्त है।''

उन्होंने कहा कि गुयाना के साथ भारत के करीबी, गहरे और भावनात्मक संबंध हैं तथा देश की राजधानी में उसकी मौजूदगी इसकी एक अभिव्यक्ति है। विदेश मंत्री ने कहा, ''कुछ चीजें बेहतरी के लिए बदल गयी हैं। आज संबंधों में ऊर्जा और प्रतिबद्धता है जो बेहद उल्लेखनीय है।'' उन्होंने कहा कि प्रवासी भारतीयों की सफलताओं, चुनौतियों तथा कठिनाइयों की भारत में लोगों के दिल में खास जगह है। जयशंकर ने कहा कि द्विपक्षीय संबंध ''बहुत अलग स्तर'' तक जाएंगे। उन्होंने कहा, ''साझा परंपराओं, विरासत और संस्कृति के कारण हमारे लिए, गुयाना बहुत खास साझेदार है। बहुलवादी समाज, राजनीतिक लोकतंत्रों, बाजार अर्थव्यवस्थाओं के तौर पर यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि हम मूलभूत सिद्धांतों को साझा करते हैं।''

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य तथा खाद्य सुरक्षा के बारे में कोविड-19 महामारी से दो बड़ी सीख मिली है। विदेश मंत्री ने कहा, ''स्वास्थ्य सुरक्षा, स्वास्थ्य खर्च, स्वास्थ्य तैयारी के बारे में कोविड-19 से सीख मिली है।...दूसरी बड़ी सीख खाद्य सुरक्षा की मिली है...हम ऐसी दुनिया की ओर देख रहे हैं जहां अनिश्चितताएं बहुत तेजी से बढ़ी हैं।'' इससे पहले, उन्होंने भारत में प्रशिक्षण ले चुके गुयाना के सेवा अधिकारियों से मुलाकात की। जयशंकर के साथ गुयाना के राष्ट्रपति इरफान अली ने भारत द्वारा निर्मित जहाज एमवी एम लिशा को बेड़े में शामिल किए जाने के कार्यक्रम में भाग लिया। जयशंकर ने महात्मा गांधी के स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और भारत-गुयाना मित्रता के लिए एक पौधा भी लगाया। उन्होंने कहा कि जलवायु चेतना के लिए महात्मा गांधी का संदेश सार्वभौमिक और कालातीत है। उन्होंने यहां राम कृष्ण धार्मिक मंदिर में भारतीय समुदाय के साथ सुबह पूजा-अर्चना भी की। उन्होंने कहा, ''यह देखकर बहुत खुशी हुई कि कैसे परंपराओं, विरासत और रीति-रिवाजों को संजो कर रखा जा रहा है।

सूडान में जारी गृह युद्ध में अब तक 413 लोगों की हुई मौत

-50 हजार से अधिक कुपोषित बच्चों पर संकट

सूडान (एजेंसी)। सूडान में संघर्षविराम लागू हो गया था। लेकिन उसके लागू होने के कुछ घंटों बाद फिर से संघर्ष शुरू हुआ। इस गृह युद्ध में अब तक मारे जाने वालों की संख्या 413 हो गई है। वहीं 3,551 लोग लड़ाई में घायल हुए हैं। इन सभी मौतों के आंकड़ों को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने दावा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक संघर्ष में कम से कम 9 बच्चों के मारे जाने और 50 से अधिक के घायल होने की सूचना मिली है।

संयुक्त राष्ट्र की बच्चों की एजेंसी ने कहा कि बच्चे बड़ी कीमत चुका रहे हैं। इस संघर्ष में अब तक कम से कम 9 बच्चों की मौत हो चुकी है और करीब 50 से अधिक बुरी तरह से घायल हुए हैं। डब्ल्यूएचओ के प्रवक्ता मार्गरेट हैरिस का कहना है कि लड़ाई देश की सेना और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच चल रही झड़पों का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 15 अप्रैल से 11 सत्यापित हमले हुए हैं जिनमें 10 स्वास्थ्य सुविधाएं भी शामिल हैं। हैरिस ने कहा कि सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि 20 स्वास्थ्य सुविधाओं ने काम करना बंद कर दिया है।

स्वास्थ्य संगठन प्रवक्ता का कहना है कि इसका मतलब यह है कि वे सभी लोग जिनका जरूरत पड़ने पर इलाज किया जा रहा था या फिर इस संघर्ष में गंभीर रूप से घायल हो गये थे, या जिनका पहले यहां इलाज चल रहा था, सभी पर बड़ा असर पड़ा है। यूनिसेफ के प्रवक्ता जेम्स एल्डर का कहना है कि लड़ाई ने पहले से ही कुपोषण से पीड़ित सूडानी बच्चों के जीवन को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि सूडान पहले से ही दुनिया में बच्चों के बीच कुपोषण की उच्चतम दरों में से एक है। और अब अनुमानित 50 हजार गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के लिए महत्वपूर्ण जीवन रक्षक देखभाल बाधित हो गई है। यूनिसेफ के पास स्कूलों और देखभाल केंद्रों में आश्रय लेने वाले बच्चों की भी रिपोर्ट है। उनके आसपास जबर्दस्त लड़ाई चल रही है और बच्चों को अस्पतालों को खाली करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

श्रीलंका में हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ व मूर्तियों के गायब होने से गुस्साए तमिल

कोलंबो (एजेंसी) श्रीलंका में हिन्दू मंदिरों में तोड़फोड़ व मंदिरों में मूर्तियों के गायब होने का सिलसिला जारी है। यहां पर पिछले कुछ हफ्तों में हिंदू मंदिरों पर हमलों में भी तेजी आई है। इसकी वजह से यहां पर बसा तमिल समुदाय खासा नाराज है। उनका मानना है कि सिंहलीकरण को लेकर जो भी देश के उत्तर में हो रहा है, उसकी वजह से इस ट्रेंड को बढ़ावा मिला है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार यहां पिछले कई दिनों से मंदिरों पर हमले के अलावा मूर्तियों में तोड़फोड़ की गई। कुछ मंदिरों में या तो मूर्तियां गायब हो गई हैं या फिर उन्हें नुकसान पहुंचाया गया है। इन घटनाओं से यहां बसे तमिल काफी दुखी हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रीलंका के जाफना में, कुछ तमिलों ने एक सार्वजनिक स्थान पर हिंदू देवता की मूर्ति को स्थापित किया है। इसके बाद पुलिस ने कोर्ट में याचिका दायर कर इसे हटाने की मांग की है। कई तमिल राजनीतिक दलों ने बाकी और मुद्दों के साथ-साथ मंदिरों पर होने वाले हमलों की वजह से 25 अप्रैल को विरोध प्रदर्शन की अपील की है। जहां एक तरफ हिंदुओं के मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर उत्तरी प्रांत में नए बौद्ध स्थल और मंदिरों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

पाकिस्तान को चीन से मिली अत्याधुनिक तोप एसएच15 एमएम

-तोप परमाणु क्षमता से लैस

इस्लामाबाद (एजेंसी) पाकिस्तान को चीन से अत्याधुनिक तोप एसएच15 155 एमएम की दूसरी खेप मिलने वाली है। यह तोप परमाणु क्षमता से लैस है। माना जा रहा है कि इसके साथ ही पाकिस्तान ने अपने परमाणु हथियार के जखीरे में इजाफा करने का मन बना लिया है। साल 2022 में पाकिस्तान को इस तोप की पहली खेप मिली थी। अब इसकी दूसरी खेप पाकिस्तान को दिए जाने की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। भारतीय रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार यह बात किसी से छिपी नहीं है कि नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर भारत के प्रभाव को कमजोर करने के लिए पाकिस्तान की सेना चीन पर निर्भर है। चीन भी इसका फायदा उठाकर भारत के खिलाफ पाकिस्तान को हथियार मुहैया करा रहा है।

इस तोप को पहली बार दिसंबर 2018 में कराची में आयोजित 10वीं अंतरराष्ट्रीय रक्षा प्रदर्शनी और सेमिनार (आईडीईएएस) में देखा गया था। उस समय इसकी सिर्फ एक ही फोटोग्राफ नजर आई थी। यह स्पष्ट हो चुका था कि पाकिस्तान इस पूरे प्रोजेक्ट को सीक्रेट रखना चाहता है। लेकिन यह बात समझ आ गई थी पाकिस्तान ने प्रणाली का आयात करना शुरू कर दिया है। इससे पहले यह सिस्टम उसी महीने चीन में आयोजित झुहाई एयरशो में भी प्रदर्शित किया गया था। इस तोप को पूर्वी थिएटर कमांड में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की 72 कोर प्रयोग कर रही है। पाकिस्तान ने कराची के करीबी इस सिस्टम को चुपचाप टेस्ट किया था। परीक्षणों की एक लीक तस्वीर चीनी पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई थी। माना जाता है कि पाकिस्तान ने कम से कम 52 एसएस-15 का ऑर्डर दिया है, जो तीन आर्टिलरी रेजीमेंट के लिए काफी है।

यह करीब 22.5 टन को बोझ उठा सकता है। सामने की ओर एक बख्तरबंद केबिन है जिसकी मदद से छोटे हथियारों से हमला हो सकता है और साथ ही ये पूरी तरह से शेल स्प्लिंटर्स से सुरक्षित है। इसकी खिड़कियां पूरी तरह से बुलेटप्रूफ हैं और। 155 मिमी / 52 कैलिबर लॉन्ग-बैरल हॉवित्जर डबल-बैफल ब्रेक के साथ है। एक बार में इससे 60 राउंड गोला बारूद बरस सकता है।

एसएस-15 का इस्तेमाल सीधी फायरिंग भूमिका निभाने के लिए किया जा सकता है, जिसे पाकिस्तानी सेना बहुत पसंद करती है। रक्षा विशेषज्ञों की मानें तब पाकिस्तान इस तोप की मदद से भारत के खिलाफ मारक क्षमता में इजाफा करना चाहता है। साल 2019 में जब भारत के साथ तनाव चरम पर था, तब पाकिस्तानी सेना ने एसएच-15 हॉवित्जर आर्टिलरी गन खरीदने के लिए चीन, नॉर्दर्न इंडस्ट्रीज कॉरपोरेशन के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट पर साइन किया था।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने स्वीकार किया, कि पाक आर्मी इंडियन आर्मी के सामने नहीं ठीक सकती

-पाकिस्तानी पत्रकार ने किया इसका खुलासा

-पीएम मोदी को लेकर सेना में दहशत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। यू तब पाकिस्तानी सेना के अधिकारी सीने पर कई सारे मैडल लटका कर रखते हैं, जबकि आज तक उन्होंने किसी देश के खिलाफ कोई युद्ध नहीं जीता। शेखी बघारने के लिए पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष भारत को कई बार देख लेने की चेतावनी भी दे देते हैं, लेकिन हर बार भारत के साथ युद्ध में पाकिस्तान ने मुंह की खाई है। इतना ही नहीं पाकिस्तानी हुक्मरान कभी-कभी अपने परमाणु बम की धौंस भी भारत को दिखाने लगते हैं, लेकिन वह लोग खुद कितना डरे हुए रहते हैं, इसका खुलासा होने से पाकिस्तान की सारी सैन्य क्षमता पर सवाल खड़े हो गए हैं। यह खुलासा किसी और ने नहीं बल्कि पाकिस्तानी वरिष्ठ पत्रकार हामिद मीर ने एक टीवी इंटरव्यू में किया है। हामिद मीर के मुताबिक, पाकिस्तान को भारत के साथ युद्ध की आशंका थी जिसके चलते वह बेहद घबराया हुआ था। मीर ने पाकिस्तान की सैन्य शक्ति के संबंध में पूर्व पाक सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा की राय का हवाला दिया। उन्होंने बताया कि सेनाध्यक्ष पद पर रहने के दौरान जनरल बाजवा ने स्वीकार किया था कि पाकिस्तान भारत के साथ युद्ध नहीं कर सकत। मीर ने कहा कि कमांडरों के एक सम्मेलन में जनरल बाजवा ने यह बात कही थी।

पाकिस्तानी पत्रकार मीर के मुताबिक, कमांडरों के सम्मेलन के दौरान जनरल बाजवा ने कबूल किया था कि पाकिस्तानी सेना का भारतीय सेना से कोई मुकाबला नहीं है। हामिद मीर ने दावा किया कि कोई विकल्प नहीं देखते हुए जनरल बाजवा ने भारत के साथ सामान्य संबंध रखने के लिए अपने तौर-तरीकों में सुधार करने का प्रस्ताव भी दिया था। यही नहीं, पाकिस्तानी मीडिया की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत के साथ युद्ध का खतरे के कारण ही पाकिस्तान चुनाव में देरी कर रहा था क्योंकि भारत का भय उसके लिए सुरक्षा संबंधी मुद्दों में से एक था। इसकारण पाकिस्तान में आम चुनाव में देरी के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से पाकिस्तान के सर्वोच्च न्यायालय को एक रिपोर्ट भी सौंपी गई थी।

बहरहाल, पाकिस्तानी पत्रकार के खुलासे से भारतीय सैनिकों का सामना करने की पाकिस्तानी सेना की क्षमता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं। माना जा रहा है कि सेना और वायुसेना की ओर से सर्जिकल स्ट्राइक और एअर स्ट्राइक के बाद से पाकिस्तान के मन में बहुत ज्यादा खौफ बैठ गया है। पाकिस्तानी सेना को लगाने लगा हैं कि भारतीय सेना कभी भी घुसकर और मारपीट करके वापस जा सकती है। इसतरह के प्रकरणों से पाकिस्तानी सेना का अपने ही देश में मजाक बनने लगा है। दूसरा पाकिस्तान को इसका भी भरोसा हो गया है कि इधर से जरा-सी भी कोई गड़बड़ उसकी तरफ हुई, तब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तगड़ा पलटवार करने वाले हैं। बता दें कि जब पुलवामा हमले के बाद भारत की ओर से एअर स्ट्राइक की हुई थी, उस समय बाजवा की हालत खराब हो गई थी। बाजवा के बारे

में खुद पाकिस्तान असेंबली के पूर्व स्पीकर अयाज सादिक ने कहा था कि भारतीय वायुसेना के अधिकारी कैप्टन अभिनंदन की गिरफ्तारी के बाद कमर जावेद बाजवा के पैर कांप रहे थे और चेहरे पर पसीना आ रहा था क्योंकि बाजवा को भारत के हमले का डर सता रहा था। पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री ख्वाजा मोहम्मद आसिफ ने भी पाकिस्तानी संसद में कहा था कि बाजवा के मन में भारतीय सेना का डर बैठ गया है। यही कारण है कि अपने कार्यकाल के अंतिम दिनों में बाजवा ने कहा था कि यह भारत और पाकिस्तान के लिए ''अतीत को भूलने और आगे बढ़ने'' का समय है।

पाकिस्तान फिर तख्तापलट की राह पर, सेना संभाल सकती है बागडोर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में फिर तख्तापलट के आसार दिख रहे हैं। पाकिस्तान के बदतर आर्थिक हालात और राजनीतिक उथल-पुथल के बीच पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने बड़ा बयान दिया है। अब्बासी ने कहा कि वर्तमान में देश के हालात ऐसे हैं जिससे सैन्य तख्तापलट होने की भी संभावना है। उन्होंने कहा कि देश में संवैधानिक संकट है जिससे लोगों को परेशानी हो रही है। उन्होंने सभी हितधारकों से आपस में बातचीत शुरू करने का आग्रह किया। अब्बासी ने कहा कि पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान, पीएमएल-एन सुप्रीमो नवाज शरीफ और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर, इन तीन अहम लोगों को फिर से बातचीत शुरू करनी चाहिए। अब्बासी ने अराजकता की चेतावनी देते हुए कहा कि अगर समाज और संस्थाओं के बीच टकराव और बढ़ा तो फिर ऐसी स्थिति में सेना बागडोर संभाल सकती है।

सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के एक वरिष्ठ नेता अब्बासी ने अगस्त 2017 से मई 2018 तक पाकिस्तान के 21वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने कहा कि अगर सिस्टम विफल हो गया या सरकार और संवैधानिक संस्थाओं के बीच टकराव बढ़ता गया तो फिर मार्शल लॉ की हमेशा संभावना बनी रहेगी। 64 वर्षीय नेता ने कहा कि पाकिस्तान में इसी तरह की स्थितियों में कई बार लंबे समय तक मार्शल लॉ लगा है। हालांकि, पीएमएल-एन नेता ने उम्मीद जताई कि सेना मार्शल लॉ लगाने के विकल्प पर विचार नहीं कर रही है। लेकिन जब उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा होगा, तो ऐसी स्थिति में देश की सेना दखल दे सकती है। यदि सेना ने सत्ता अपने हाथ में ले ली तो इससे कुछ अच्छा होने की बजाय स्थिति और बिगड़ जाएगी।

अब्बासी ने कहा कि वास्तव में, मैं कहूंगा कि पाकिस्तान ने पहले कभी इससे गंभीर आर्थिक और राजनीतिक हालात नहीं देखे हैं। अगर आप बड़ी कुर्सियों पर बैठे हैं और आपकी सोच छोटी है तो फिर कुछ नहीं हो सकता है। जिस तरह जज बन रहे हैं, उनका आप रिकॉर्ड देखें। उन्होंने कहा कि सब कुछ खुले माहौल में होना चाहिए। नेता हों या जनरल हो। सब मौजूदा हालात के लिए जिम्मेदार हैं। अब्बासी ने मौजूदा न्यायिक व्यवस्था पर टिप्पणी करते हुए खहा कहा कि देश का संविधान बना और उसकी स्पिरिट बहुत अच्छी थी लेकिन हमने उस पर अमल नहीं किया इसे और ट्विस्ट कर दिया। अपनी तरह का यह एक क्लासिक केस है कि मुल्क में जजों ने नेताओं को रबर स्टांप बना दिया। दुनिया का कोई ऐसा मुल्क नहीं है जहां जज खुद को नियुक्त करते हैं।

संपादकीय

यह दुनिया का सच है

आधा ज्ञान होना भी अच्छा नहीं होता है । जीवन व्यवहार में हम कई क्षेत्रों में देख सकते है कि किसी विषय या काम आदि की पूर्ण जानकारी नहीं हुई उस काम में हमने हाथ डाल दिया तो उसका परिणाम जो अपेक्षित होता है वह नहीं मिलता हैं । कोई भी पूर्ण नहीं होता जितना भी पा ले हम ज्ञान ।हमारा अहंकार हमारी अज्ञानता हमें उस उचित अवसर पर पूछने समझने आदि से रोक कर हमें पीछे धकेलता है जिसका नुकसान हमें सारी उम्र चुकाना पड़ता है ।हमारी समझदारी इसीमें है कि हम विनम्र होकर शालीनतापूर्वक अपने न समझ आये विषय को उसी समय दूसरी बार ,तीसरी बार बार- बार पूछ समझ आदि लें जब तक अच्छे से न समझ जाएं । क्योंकि जीवन मर्यादित है और उसका जब अंत होगा तब इस लोक की कोई भी वस्तु साथ में नही जाएगी । जब हमारे अगले भव में जाने का समय आता हैं तो हैसियत- वसीयत आदि सब बे-अर्थ हो जाती हैं। जीवन का और महत्प्रयासों से कमाए हुए धन का आनंद लेने में हमारा वक्त निकल चुका होता है। नेपोलियन क्या, ? सिकंदर क्या .. ?ओढ़कर मिट्टी की चादर, बेनिशान हो गये, एक ना एक दिन हम सब भी दास्तान हो जाएँगे।कहाँ पर ,क्या , कहाँ , कितना सही है ये ज़्ज्बात , जिसके अंदर है कदम बढे हमेशा सद्कार्य ओर सोचो यही ज्ञान का समंदर है । जो लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढे आज वही सिकंदर है । सच में यह दुनिया का सच है कल भी था और आज भी यही सच है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

वनस्पति सम्पदा को संरक्षित करते हमारे कुछ तीज त्यौहार

(लेखिका-शारदा नरेन्द्र मेहता)

वनस्पति का हमारी सनातनीय संस्कृति में अति प्राचीन सम्बन्ध है। हमारे दैनिक जीवन में किसी न किसी रूप में हम प्राकृतिक सम्पदाओं पर आश्रित हैं। सम्पूर्ण भारत में हमारे पर्व प्राकृतिक सम्पदाओं पर आश्रित हैं। हमारे यहाँ प्रत्येक पूजन सामग्री में आम, अशोक के पत्ते,विभिन्न फल फूल, नारियल, सुपारी, लौंग, इलायची, पान के पत्ते ,खारक बादाम, सिन्दुर, मेंहदी, हल्दी, कूंकू, धूपबत्ती, कपूर, चंदन, कपास की बाती, कच्चा सूत,कलावा, कमल के फूल, मखाने, सीताफल, रामफल, कत्था, लाख, गौंद ,हवन की समिधा, आदि अगणित वस्तुएँ वनस्पति सम्पदा से ही प्राप्त होती हैं। हमारे आयुर्वेद की प्रत्येक औषधि वन सम्पदा की देन है। हमारी नवीन पीढ़ी को चाहिये कि वे ऐसी बहुमूल्य सम्पदा को संरक्षित करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ रहते हुए भावी पीढ़ी को दिशा निर्देश दे कि उन्हें नये पौधों को रोपित कर इस विशाल सम्पदा को संरक्षित करना है।

माह जनवरी में मकर संक्रान्ति का पर्व तिल की फसल का प्रमुख पर्व है। गुड़-तिल का दान तथा पतंग व गुल्ली-डंडा खेलना इस पर्व की विशेषता है।

माह फरवरी में बसन्त ऋतु का प्रमुख पर्व है बसंत पंचमी । पूजन में आम वृक्ष की मँजरी माँ सरस्वती को अर्पित की जाती है। फरवरी मार्च में महाशिवरात्रि का पर्व भगवान् शिव तथा पार्वती के विवाहोत्सव के रूप में मनाया जाता है। शिवलिंग पर बिल्व पत्र, धतूरा, बेर ऑकड़े के फूल ,विभिन्न प्रकार के फल तथा फूल शिव पूजन में समर्पित किये जाते हैं।

मार्च माह में होली पर्व हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न होता है। होली के मध्य में अरण्ड का दण्ड स्थापित किया जाता है। इसके आस-पास विभिन्न वृक्षों की टहनियां जमाई जाती है। गोबर के कण्डे आस-पास जमाए जाते है। नारियल, पुष्प, भोजन सामग्री, धूपदीप, पूजन सामग्री,से पूजन किया जाता है। रंगों का पर्व धुलेण्डी तथा रंगपंचमी अबाल वृद्ध के हृदय में आनन्द का संचार करता है। पारिजात, पलाश आदि के पुष्पों से प्राकृतिक रंगों का उपयोग कर हम अपनी त्वचा को केमिकल (रसायनिक) युक्त रंगों से सुरक्षित रख सकते हैं।

मार्च माह में शीतला माता पूजन किया जाता है। माता का स्थान सामान्यतया बड़, पीपल, तथा नीम के वृक्षों के नीचे ही रहता है। सभी प्रकार की पूजन-सामग्री का उपयोग किया जाता है। दशा दशमी का पर्व भी सुख, समृद्धि एवं सौभाग्य सूचक के लिए सम्पन्न किया जाता है। इस पर्व पर पीपल के वृक्ष का पूजन सभी पूजन सामग्री के साथ किया जाता है। कच्चे सूत को वृक्ष के चारों और परिक्रमा करते हुए लपेटा जाता है। वैज्ञानिकों का मत है कि पीपल का वृक्ष सर्वाधिक प्राण वायु प्रदान करता है।

वर्ष प्रतिपदा (गुड़ी पड़वा) हिन्दू नव वर्ष का प्रारम्भ पर्व है। इस दिन कड़वे नीम की पत्तियाँ चबाकर खाने की परम्परा है। इसे मिश्री तथा कालीमिर्च के साथ खाने का विधान है। दक्षिण भारतीय परिवारों में घर के ऊपर एक काष्ठ दण्ड पर लोटा रखकर उस पर साड़ी, शकर का हार तथा नीम की डाली पर पुष्प हार अर्पित कर टाँगा जाता है। श्रीखण्ड और पूरण पोली का नैवेद्य लगाया जाता है।

गणगौर पर्व लगभग कई प्रान्तों में प्रकारान्तर से मनाया जाता है। फूल पत्ती कलश में सजाकर चल समारोह निकाला जाता है। आम के पत्ते पुष्प का विशेष महत्व है। बाग बगीचों में हंसी-ठिठौली कर कन्याएँ तथा महिलाएँ व्रत का समापन करती है। पान के बीड़े का महत्व इस पर्व में अधिक है।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान् श्रीराम का जन्मोत्सव चैत्र रामनवमी के रूप में मनाया जाता है। खड़े धनिये को सेक कर उसमे शकर मिलाकर, पीसकर पंजेरी नैवेद्य के रूप में अर्पित की जाती है। पुष्प तथा ऋतु फल भी चढ़ाये जाते हैं।

अक्षय तृतीयां (आखा-तीज) इस दिन भी अभिजीत मुहुर्त रहता है। अक्षय फल का दान करने से विशेष फल प्राप्त होता है। सतू, पंखा, शकर, आम, जल पूरित मटका व खरबूजे का दान किया जाता है।

जून माह में महिलाओं को सौभाग्य में वृद्धि तथा पति की दीर्घायु प्रदान करने वाला व्रत वट सावित्री पूर्णिमा के नाम से प्रसिद्ध है। वट वृक्ष की परिक्रमा करते हुए धागा लपेटते है। आम्र फल तथा चने की दाल अन्य पूजन सामग्री के साथ वृक्ष के नीचे अर्पित की जाती है । चना दाल, आम तथा दक्षिणा से माता पार्वती की गोद पूरित की जाती है।

भैरू पूजन में खाकरे (ढ़ाक) के पत्ते तथा गेहूँ के खिचड़े का विशेष महत्व है।

अगस्त सितंबर माह में हरतालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। इस व्रत में धतूरा, ऑकड़ा, पारिजात, मोगरा, गुलाब, गेंदा, जूही आदि विभिन्न प्रकार के पुष्प तथा ऑवला नीबू, अनार,सेवफल, जामफल, सीताफल,चीकू, केले आम आदि फल सहित पत्ते, मौलश्री अशोक, गुडहल, खीरा, भूट्टे, तुरई आदि आदि अनेक फूल पत्ते नारियल सुपारी,डण्डे वाले पान, बादाम खारक, लौंग, इलायची, तथा महिलाओं की सभी सौभाग्य सामग्री, बालू रेत से बनाये जाने वाले शिव परिवार को चार बार पूजन कर अर्पित की जाती है। इस दिन वनस्पति का सर्वाधिक महत्व माना जाता है।

हरतालिका तीज के दूसरे दिन दस दिवसीय गणेशोत्सव का आयोजन किया जाता है। आम्रपत्र,मेवे, फल, पान, फूल, गुड़, लड्डू, बाटी, दुर्वा, नारियल, पंचामृत आदि का विशेष महत्व है। ऋषिपंचमी के दिन अरून्धती के साथ सप्तर्षि कश्यप, भरद्वाज, जमदग्नि, अत्रि, विश्वामित्र, गौतम तथा वशिष्ठ का पूजन किया जाता है। अपामार्ग (आंधी झाड़ा) की डंडियों से सप्तर्षि तथा अरून्धती निर्मित करते हैं। मोरधन (सँवा) का सेवन किया जाता है। अपामार्ग में पत्तों का पूजन में विशेष महत्व है। कथा सुनकर व्रत का समापन किया जाता है। पितृ पक्ष पूर्णिमा से श्राद्ध पक्ष का प्रारंभ होता है। कन्याएँ सोलह दिन संजा की आकृति दीवार पर निर्मित करती हैं। प्रतिदिन गोबर से नई आकृति का निर्माण किया जाता है। पूजन में गुलतेबड़ी के रंगविरंगे फूल का विशेष महत्व है।

शारदीय नवरात्री का प्रारम्भ मातृशक्ति की पूजा का प्रमुख पर्व है। जौ तथा गेहूँ के ज्वारे बोए जाते हैं। आम के पत्ते, विभिन्न फल गेंदे के फूल,गुलाब के फूल तथा भूरे कद्दू का विशेष महत्व है।

इसके बाद बुराई पर अच्छाई का पर्व दशहरा पर्व रावण दहन के साथ मनाया जाता है। बॉस अन्य लकड़ियाँ, तथा रंगीन कागजों से रावण की विशालकाय प्रतिमा का निर्माण किया जाता है। राम की विजय की स्मृति में दर्शक गण शमी के पत्ते तोड़कर लाते हैं। राम मन्दिर में दर्शन कर पत्ते चढ़ाये जाते हैं। घरों में दीप जलाकर गिलकी के भजिये का नैवेद्य लगाया जाता है। सभी एक दूसरे के घर जाकर दशहरे पर्व की शुभकामना देते हैं।

दशहरे के पाँचवे दिन शरद पूर्णिमा का उत्सव मनाया जाता है। चाँदनी रात में दूध या खीर रखकर नैवेद्य अर्पित कर दूध पिया जाता है । आयुर्वेद में इस पर्व का विशेष महत्व है। अनेकों जड़ी-बूटियों का मिश्रण कर औषध बना कर श्वास,दमा, मिर्गी, के रोगियों को पिलाई जाती हैं।

दशहरे के पश्चात पाँच दिवसीय त्यौहार दीपावली मनाया जाता है। यह धनतेरस से भाईदूज तक रहता है। दीपक पूजन में प्रमुख रूप से गन्ने के टुकड़े, ऑवले के टुकड़े, बेर-पोखड़े (ज्वार के दाने) बैंगन,मूली, कपास के बीज, काचरी, साल की धानी, कंकू अमर बेल सिंधाड़े आदि बारीक काट कर दीपक में डाले जाते है। धन्वन्तरी का पूजन धनतेरस पर किया जाता है । पूजन में खड़े धनिया का उपयोग किया जाता है। अन्नकूट के दिन बैंगन, मूली, मैथी, आलू आदि की मिश्रित सब्जी बनाकर भोग लगाया जाता है। गोवर्द्धन बनाकर पूजते हैं।

यम द्वितीया (भाई-दूज) के दिन बहन भाई को तिलक लगाकर श्रीफल भेंट करती हैं तथा भोजन कराती है।

ऑवला नवमी के पर्व पर ऑवले के वृक्ष का पूजन सभी सौभाग्य सामग्री के साथ किया जाता है । ऑवले के वृक्ष के नीचे भोजन किया जाता है । कथा कथन होता है आयुर्वेद में ऑवले से निर्मित च्यवनप्राश का विशेष महत्व हैं। और भी औषधियां ऑवले से निर्मित की जाती हैं। घर में भी भगवान् को ऑवला चढ़ाया जाता है ।

देवप्रबोधनी एकादशी से उज्जैन शहर में अखिल भारतीय कालिदास समारोह का प्रारम्भ होता है।

जनवरी से दिसंबर तक हमारे सभी तीज-त्यौहार का सम्पर्क वनस्पति सम्पदा से बना हुआ हैं । हमारी भारतीय महिलाएँ इस हेतु बधाई की पात्र हैं कि उन्होंने इस त्यौहारों के महत्व को समझ कर प्राकृतिक सम्पदा को किसी न किसी रूप में जीवन्त बनायें रखा है।

मातृ शक्ति ही बालक की प्रथम गुरू होती है और घर से ही प्रकृति व प्राक्रतिक सम्पदा के संरक्षण का बीजारोपण बालक के अंर्तमन में कर सकती है। यही संस्कार भविष्य में हरी-भरी वसुन्धरा के रूप में साकार होंगे।

अब तो पृथ्वी के खिलाफ जंग बंद कीजिए

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

साल 2021 का अर्थ डे का थीम था रिस्टोर अवर अर्थ अर्थात ् फिर से अपनी पृथ्वी को स्थापित करें। वही संदेश अप्रैल, 2022 के अर्थ डे इनवेस्ट इन अवर प्लेनेट अर्थात ् अपने ग्रह पर निवेश करें। तो अर्थ डे 2020 का थीम था क्लाइमेट एक्शन - जलवायु पर सक्रियता। इसी प्रकार 2019 का था अपनी प्रजातियों को बचाओ। वर्ष 2021-2030 तक डिकेड ऑफ इकोसिस्टम रिस्टोरेशन रिस्टोर का अर्थ है फिर से नष्ट हुए इकोसिस्टमों जैसे ताजा पानी, समुद्री पानी और जमीन के इकोसिस्टमों को पहले जैसी स्थितियों में लाना। इकोसिस्टम में जैविक जैविक के बीच ही नहीं, अजैविक से भी प्रक्रियाएं होती हैं। वर्तमान में पृथ्वी तीन मुख्य संकटों— जलवायु, प्रकृति और जैव विविधता हानि तथा प्रदूषण और कचरा से घिरी है। वर्ष 1974 में यह तो कम ही सुना होगा कि प्रकृति संकट की स्थिति में है। किन्तु 2022 में ऐसी प्रतिध्वनियां सर्वत्र हैं। इसलिये फिर से आत्मसात ् करना जरूरी है कि इस ब्रह्मांड में कई गैलेक्सियां हैं। सौर मंडल के ग्रहों में अकेले पृथ्वी सतह पर ही पानी है। सौर मंडल का पृथ्वी ही ऐसा ग्रह है जो जीव अस्तित्व में मददगार है। भविष्य में इस ग्रह के अलावा हमारा कोई घर नहीं है। कोई शरणास्थली नहीं है। प्रकृति के प्रति आक्रामक होकर ही पिछले पांच दशकों में वैश्विक आर्थिक प्रगति पांच गुनी की गई है। यह पृथ्वी के 70 प्रतिशत से ज्यादा प्राकृतिक संसाधनों का उनकी क्षमता से ज्यादा दोहन की कीमत पर हुआ है। प्रकृति की कीमत पर विकास वास्तव में पृथ्वी पर भार या पृथ्वी की कीमत पर विकास होता है। इसीलिये 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस पर यह भी आह्वान था कि हम अपनी जीवनशैली सततता सस्टेनेबिलिटी वाली बनाकर पृथ्वी के साथ समरसता में जियें। प्रकृति संग समरसता में रहने की संवेदना बेहतर तब जाग्रत होगी यदि हम पृथ्वी की जगह खुद को रख व्यक्तिगत रूप से न्याय करें। अब तो संवेदित न्यायालय या न्यायिक संस्थाएं भी प्रकृति या प्रकृति के एकांशों को वैधानिक जीवित मानव घोषित करने व उनके मानव अधिकारों को सुरक्षित रखने के आदेशों को निर्गत करने लगी हैं। 22 मई, 2021 के अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की पूर्व संध्या पर संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेश ने अपने सम्बोधन में कहा था कि हमने प्रकृति के विरुद्ध युद्ध छेड़ रखा है। हम सब को तो प्रकृति का पैरोकार होना चाहिए था। वह हमारे जीवन को सततता, अवसर, सेवाएं और समाधान देती है। किन्तु हमने उसकी जैव विविधता का विनाश किया, उसकी जलवायु में बाधायें डाली हैं। दस लाख जैव प्रजातियां खत्म होने के कगार पर हैं। सच कहें तो मानव के ग्रह पर पड़ने वाले प्रभाव से चिंता आज से पचास वर्ष पहले से ही होने लगी थी। शायद तभी संयुक्त राष्ट्र संगठन का 1972 में स्टॉकहोम में हुआ पहला पर्यावरण सम्मेलन प्राकृतिक पर्यावरण पर सम्मेलन के बजाय मानव पर्यावरण पर सम्मेलन- कॉन्फ्रेंस ऑन ह्यूमन एनवायरन्मेंट के नाम से था। इसी सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्रसंघ की आम सभा ने हर साल 5 जून वैश्विक पर्यावरण दिवस मनाना तय किया था। दो साल बाद 1974 में केवल एक ही पृथ्वी है, के नारे से पहला पर्यावरण दिवस मनाया गया था। मानव के कारण पृथ्वी को कुछ लौटाने की बात तो छोड़ दें, हमने तो जैसे उसके खिलाफ जंग छेड़ी हुई है। जब हम पृथ्वी की बेहतरी की मांग करेंगे तो उसका लाभ सबको मिलेगा। हर कोई समाधान का हिस्सा हो सकता है यदि सस्टेनेबल लाइफ स्टाइल अपनायें। पृथ्वी और हमारे लिये

संकट मुख्यतया अनसस्टेनेबल कंजमशन जारी न रखे जा सकने वाला उपभोग और उत्पादन पैटर्न के कारण आया है। और यह जनसंख्या बढ़ने के साथ बढ़ता ही जायेगा। जहां 1974 में चार अरब से कुछ कम जनसंख्या थी, वर्ष 2022 में यह अब आठ अरब पहुंच गई है। जनसंख्या तो बढ़ रही है किन्तु जैव विविधता तेजी से कम हो रही है। हमारे 65 प्रतिशत वन्य जीव खत्म हो गये हैं। प्रदूषण पारिस्थितिकीय संवेदनशील क्षेत्रों में ज्यादा असर डालते हैं। इकोलॉजिकल सिस्टम की सेवाओं में सततता रहे, इसके लिये जलवायु बदलाव से लड़ाई तो लड़नी है किन्तु कार्बन अवशोषक क्षेत्र खत्म हो रहे हैं। सतत ् विकास लक्ष्यों को पाने के लिए 2030 का ही साल आखिरी साल तय किया गया है। आज स्थिति तो यह है कि नब्बे प्रतिशत जनसंख्या प्रदूषित हवा में सांस लेने को अभिशप्त है। इस साल को वैज्ञानिक हमारे लिए संभवत: जलवायु बदलाव का रुख पलटने का आखिरी मौका भी कह रहे हैं। निस्संदेह पृथ्वी की हानि कम करने के प्रयास भी हो रहे हैं। यूरोप में बांध हटाये जा रहे हैं। यूरोप के 17 देशों में 239 बांधों को 2021 में हटाया गया, जो उससे पहले के साल की तुलना में 137 प्रतिशत ज्यादा था। अभी तक कुल 4984 बांध हटाये गये। कोविड 19 में पूरे विश्व ने ही देखा कि कोरोना काल में जब दुनिया शुरुआती दिनों में घरों में बंद हो गई थी तो प्रकृति फिर से कितनी ऊर्जावान दिखने लगी थी। नदी, आसमान भी साफ हो चले थे। अलग-अलग देशों में वे जानवर सड़कों पर दिखने लगे, पक्षी, मछली दिखने लगे। कुछ नहीं किया, केवल अपना हस्तक्षेप कम किया। प्रकृति को प्राकृतिक रहने के ज्यादा मौके दिये बस। अत: हम यदि प्रकृति को स्वत: ही ठीक करने में मदद करें तो वह भी पृथ्वी की सेवा ही होगी।

मलेरिया उन्मूलन की नई राह

(लेखक-विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन / 25 अप्रैल)

1977 में पुन: राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम की संशोधित योजना लागू की गयी । इस योजना के अंतर्गत रोगियों की खोज के अतिरिक्त निश्चित मापदंड पर छिड़काव की व्यवस्था है ताकि मलेरिया से एक भी व्यक्ति की मृत्यु न हो। यह कार्यक्रम भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा प्रदत 50-50 के अनुदान के आधार पर चलाया जाता है ।

हर साल 25 अप्रैल को मलेरिया के खिलाफ लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के विश्व मलेरिया दिवस यानी वर्ल्ड मलेरिया डे मनाया जाता है. गौरतलब है कि हर साल लाखों लोग भारत समेत पूरी दुनिया में मलेरिया से ग्रसित होते हैं. बता दें कि यह एक जानलेवा बीमारी है जिससे भारत में हर साल हजारों लोग संक्रमित होते हैं. दिसंबर 2019 में जारी विश्व मलेरिया रिपोर्ट में मलेरिया उन्मूलन के लिए उठाए गए कदमों के चलते भारत सुर्खियों में है। रिपोर्ट के अनुसार वैसे तो मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों में स्थिरता आई है लेकिन पिछले वर्ष 22 करोड़ 80 लाख लोग मलेरिया की चपेट में आए थे जिनमें से लगभग 4 लाख लोगों की मौत हुई थी। अधिकतर मौतें अफ्रीका क्षेत्र में हुई थी। भारत में मलेरिया का प्रकोप सदियों से हो रहा है। आज़ादी से पहले तक देश की लगभग एक चौथाई आबादी मलेरिया से प्रभावित होती थी। 1947 में भारत की 33 करोड़ आबादी में से 7 .5 करोड़ लोग मलेरिया से पीड़ित हुए थे और 8 लाख लोग मारे गए थे। इस घातक रोग पर काबू पाने के लिए भारत सरकार ने 1953 में 'राष्ट्रीय मलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम' लागू किया। यह कार्यक्रम काफी सफल रहा और इससे मलेरिया के रोगियों की संख्या में काफी कमी आई। इस कार्यक्रम की सफलता से उत्साहित होकर सरकार ने 1958 में 'राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन' कार्यक्रम आरंभ किया। डी.डी.टी. वगैरह के छिड़काव में ढील के कारण 1960 और 1970 के दशक में मलेरिया के मरीज़ों की संख्या तेज़ी से बढ़ गई, और 1976 में देश भर में 60 लाख 45 हज़ार केस दर्ज किए गए। मलेरिया की रोकथाम के तमाम प्रयासों के कारण रोगियों की संख्या काफी घट गई लेकिन 1990 के दशक में यह रोग नई ताकत के साथ वापस लौट आया। इसकी वापसी के कारणों में कीटनाशकों के खिलाफ मच्छरों की प्रतिरोधकता, खुले स्थानों में मच्छरों की बढ़ती तादाद एवं जल परियोजनाओं, शहरीकरण, औद्योगीकरण, मलेरिया परजीवी के रूप बदलने और क्लोरोक्विन तथा मलेरिया की अन्य दवाइयों के खिलाफ प्लाज़्मोडियम फाल्सिपेरम की प्रतिरोध क्षमता मुख्य थे। मलेरिया उन्मूलन की दिशा में ओडिशा एक प्रेरणा रुोत के रूप में उभरकर सामने आया है। हाल के वर्षों में इसने अपने 'दुर्गम अंचलारे मलेरिया निराकरण' नामक पहल के माध्यम से मलेरिया के प्रसार पर अंकुश लगाने तथा उसके निदान और उपचार के व्यापक प्रयास किए हैं। इन प्रयासों के चलते बहुत ही कम समय में प्रभावशाली परिणाम प्राप्त हुए हैं। भारत में मलेरिया के खिलाफ लड़ाई में प्रमुख मोड़ 2015 में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान आया जब देश ने 2030 तक इस बीमारी को खत्म करने का संकल्प लिया था। 2017 में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने लगभग एक करोड़ मच्छरदानियां वितरित करने में मदद की। यह कदम सबसे जोखिमग्रस्त क्षेत्रों में सभी निवासियों को मलेरिया जैसे रोगों से सुरक्षा प्रदान करने के लिये आवश्यक था। इनमें आवासीय विद्यालयों के छात्रावास भी शामिल थे। अपने निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप ओडिशा ने साल 2017 में मलेरिया के मामलों और उसके कारण होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की। इस योजना का उद्देश्य राज्य के दुर्गम और सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों के लोगों तक सेवाओं का विस्तार करना है। स्पष्ट है कि मलेरिया उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों को आगे बढ़ाने में भारत एक अग्रणी देश के रूप में सामने आया है। मलेरिया उन्मूलन के मामले में भारत की सफलता मलेरिया से सर्वाधिक प्रभावित अन्य देशों को इससे निपटने के लिये एक उम्मीद प्रदान करती है। इसके अलावा सरकार ने विभिन्न माध्यमों से मलेरिया उन्मूलन सम्बंधी जागरूकता अभियान चलाया। मलेरिया उन्मूलन पर फिल्में एवं रेडियो कार्यक्रम बनाए गए। दूरदर्शन एवं आकाशवाणी पर ऐसे कार्यक्रमों का प्रसारण किया गया। इसके अलावा विज्ञान प्रसार द्वारा एडूसेट के माध्यम से मलेरिया सम्बंधी जागरूकता कार्यक्रमों को देश भर में कार्यरत 52 केंद्रों के माध्यम से लोगों तक पहुंचाया गया। सीएसआईआर ने मलेरिया पर एक राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन विज्ञान प्रसार के साथ किया। इस प्रकार विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मलेरिया सम्बंधी जागरूकता के ज़रिए लोगों का ध्यान बीमारी की गंभीरता और रोकथाम की ओर आकर्षित किया गया।

वेडिंग फंक्शन्स में आपको स्टाइलिश दिखाएंगे ये टिप्स

वेडिंग में कई फंक्शन्स होते हैं, जिनके लिए अलग-अलग ड्रेसेस पहनने का मजा ही कुछ और है। इनमें हल्दी फंक्शन का क्रेज लड़कियों के बीच खूब देखा जाता है। हल्दी के दौरान पीले कपड़े पहनने से न सिर्फ फैशन के नजरिए से कॉम्बिनेशन काफी अच्छा लगता है बल्कि पीले रंग के साथ ज्यादातर ज्वैलरी भी अच्छी लगती हैं। आप भी अगर अपनी हल्दी पर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं, तो ये टिप्स आपके काम आएंगे।

हल्दी सेरेमनी पीले रंग के कपड़े क्यों पहनें

हल्दी छुड़ाना काफी मुश्किल हो सकता है, इसलिए क्यों न इस दिन पीली ड्रेस ही पहनी जाए। पीले के अलग-अलग शेड्स में से आप चुन सकती हैं। मस्टर्ड येलो, ऐंबर येलो, लेमन येलो में से आप चुन सकती हैं। यदि आपको येलो नहीं पहनना हो, तो आप क्रीम या कोई और लाइट कलर पहन सकती हैं।

हल्दी सेरेमनी के लिए टिप्स

- अगर आपकी हल्दी सेरेमनी है, तो ऐसे में आप स्लीव्स कट सिंपल और प्लेन लहंगा-चोली पहनें, जिसके किनारे पर गोल्डन या सिल्वर कलर का बॉर्डर हो।
- हल्दी सेरेमनी पर पटियाला सलवार के साथ शार्ट कॉटन कुर्ती भी बेहद स्टाइलिश लगेगी। पटियाला सूट के साथ आप अपनी पसंदानुसार एम्ब्रॉयडरी जैकेट या फिर कोई लाइट दुपट्टा कैरी करना अच्छा ऑप्शन रहेगा।
- आपको अगर साड़ी पहननी है, तो पीले रंग की सिम्पल साड़ी पहनें या फिर लाल, नारंगी रंग की साड़ी भी काफी अच्छी लगेगा। इसके साथ मैचिंग पर्ल ज्वैलरी या फूलों की ज्वैलरी भी काफी ट्रेंडिंग लगेगी।

हैवी दुपट्टा

हल्दी के मौके पर दुपट्टा आपके लिए आफत बन सकता है, इसलिए लाइट स्टोल या स्कॉर्फ तक ठीक है लेकिन हैवी दुपट्टा लेने से बचें।

स्टोन, हैवी ज्वैलरी

स्टोन या हैवी ज्वैलरी पर अगर हल्दी लग गई, तो आपके लिए खासी दिक्कत हो जाएगी।

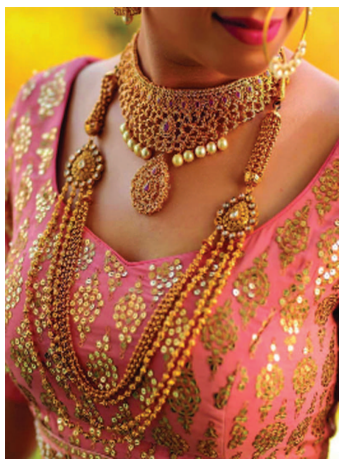

दमकती त्वचा का सपना पूरा करेंगे इन फलों के छिलके

आज तक आपने अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए फलों को डाइट में शामिल करने की सलाह तो कई बार सुनी होगी पर क्या आप जानते हैं फल अगर आपको अच्छी सेहत पाने में मदद करते हैं तो फलों के छिलके आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम भी कर सकते हैं। आइए जानते हैं दमकती त्वचा पाने के लिए कैसे करें फलों के छिलकों का इस्तेमाल।

पपीते का छिलका

चेहरे का रूखापन दूर करके त्वचा का ग्लो बढ़ाने का काम करता है पपीते का छिलका। इसके लिए पपीते के छिलके को सुखाकर बारीक पीस कर इसका पाउडर बना लें। अब दो चम्मच पाउडर में एक चम्मच ग्लिसरीन मिलाकर उसका गाढ़ा पेस्ट बनाकर उसे अपने चेहरे पर फेस पैक की तरह लगा लें। पैक सूख जाने पर अपना चेहरा धो लें। चेहरे की टैनिंग हटाने के लिए पपीते के छिलके को पीसकर उसमें नींबू का रस मिला का इस्तेमाल करें।

संतरे का छिलका

चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बे, मुहांसों और टैनिंग से निजात पाने के लिए संतरे के छिलके को पीसकर उसका बारीक पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट में 2 चम्मच कच्चा दूध और दो चुटकी हल्दी मिलाकर इस पेस्ट को फेस पैक की तरह चेहरे पर लगाएं। पैक सूखने पर चेहरे ठंडे पानी से धो लें।

नींबू का छिलका

टैनिंग दूर करने के लिए नींबू के छिलके को पीसकर उसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर फेस पैक की तरह इस्तेमाल करें।

केले का छिलका

टैनिंग से छुटकारा पाने के लिए आप केले के छिलके के अंदरूनी सफेद भाग को चेहरे पर हल्के हाथों से बीस मिनट तक रगड़ें। इसके बाद चेहरा धो लें। ऐसा करने से चेहरे की चमक बढ़ती है।

आम का छिलका

चेहरे की झुर्रियों को कम करने के लिए आम के छिलके को पीसकर इसका पेस्ट चेहरे पर लगाने से मुहांसों और झुर्रियों को कम करने में मदद मिलती है। इसके लिए आम के छिलके को सुखाकर इसका पाउडर बना कर गुलाब जल के साथ, गेहूं के आटे में मिलाकर चेहरे पर उबटन की तरह इस्तेमाल करें।

कई लोग अपनी हाइट से नाखुश रहते है, उन्हें लगता हैं कि वे थोड़े और लंबे होते तो अच्छा होता। लेकिन अगर कम व अवरेज हाइट होने पर भी सही ड्रेस व कपड़ों का चयन करें तो छोटी हाइट को भी लंबा दिखा सकते हैं। आइए, हम आपको कपड़ों के चयन से जुड़ी कुछ ऐसी बातें बताते हैं जो छोटी हाइट को लंबा दिखाने में कारगर साबित होंगी -

छोटी हाइट होने पर कैसे करें कपड़ों का चयन

- ऐसी ड्रेस पहनें जिसमें पैर दिखें तो आप लंबी नजर आएंगी जैसे ऐसी कोई शॉर्ट ड्रेस, जो घुटने तक या उससे ऊपर हो। इस तरह की ड्रेस पहनकर छोटे कद को लंबा दिखाया जा सकता है।
- अगर आपका कद छोटा है तो आप हाई वेस्ट की जींस पहन सकती हैं। इस जींस में आपके पैर लंबे नजर आएंगे जिससे देखने वालों को आपकी लंबाई अधिक होने का एहसास होगा।
- छोटे कद को लंबा दिखाने के लिए ऐसे कपड़ों का चयन करें जो वी नेक के हो, जैसे वी-नेक वाली शर्ट, टी-शर्ट, कुर्ती व ड्रेस आदि। गोल गले के कपड़े पहनने से आपको बचना चाहिए।
- कद को लंबा दिखाने के लिए सर से पैर तक एक ही रंग के कपड़ें पहनें, जैसे टॉप और बॉटम दोनों का एक ही रंग होने पर आपका कद लंबा नजर आएगा। वैसे छोटे कद पर गहरे रंग के कपड़ें भी देखने वालों को लंबा होने का एहसास देते है।
- गाउन पहनकर भी आप लंबी नजर आ सकती हैं।
- कपड़ों के अलावा हाई हील्स पहनकर भी आप हाइट को बढ़ा हुआ दिखा सकती हैं।

ट्रेंडी हैं को-ऑर्ड्स इस समर शॉपिंग लिस्ट में करें शामिल

गर्मियों में कम्फर्टेबल आउटफिट्स खरीदना चाहती हैं तो को-ऑर्ड्स ट्राई करें। ये आउटफिट गर्मियों के लिए फिट होने के साथ बेहद स्टाइलिश भी है। गर्मी के मौसम में को-ऑर्ड्स फैशन जबरदस्त ट्रेंड में है। इसको पहनने के कई फायदे हैं। इन्हें पहनने में झंझट नहीं होता, गर्मियों के हिसाब से कम्फर्टेबल है वहीं स्टाइल के मामले में भी नंबर वन। इन टू-पीस सेट्स के साथ आपको ज्यादा अक्सेसरीज भी कैरी करने की जरूरत नहीं। अगर आप अभी भी इस फैशन को ट्राई करने में झिझक रहे हैं तो बॉलिवुड सिलेब्स से आइडिया ले सकते हैं।

बच्चों की मजबूत इम्युनिटी के लिए जन्म के पांच साल के अंदर जरूरी है ये वैक्सीनेशन

कहते हैं हेल्थ एक प्रोसेस है। आप एक दिन में हेल्दी नहीं होते। कई छोटी-छोटी चीजें आपको मजबूत बनाती हैं। यही बात इम्युनिटी पर भी लागू होती है। मजबूत इम्युनिटी हमारे बचपन के खान-पान पर भी निर्भर करती है। वहीं, बचपन में कुछ ऐसे टीके होते हैं, जिनके लगने से गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। आज हम आपको ऐसे टीके बता रहे हैं, जिन्हें पांच साल के अंदर बच्चों को लगवाना बहुत जरूरी है।

ये टीके हैं बेहद जरूरी

- गर्भवती महिला एंव गर्भ मे पल रहे शिशु को टिटेनस की बीमारी से बचाने के लियेटिटेनसटाक्साइड 1 / बूस्टर टीका और दूसरा टीका एक महिने के अंतर में लगवाएं। अगर पिछले तीन वर्ष मे दो टीके लगे हों तो केवल एक टीका लगवा लेना ही काफी होता है।
- हेपेटाइटिस बी वायरस के संक्रमण से लीवर की सूजन आ जाती है, पीलिया हो जाता है और लंबे समय तक संक्रमण के बाद लीवर कैंसर का भी खतरा हो सकता है। यह टीका बेहद जरूरी है जो हिपेटाइटिस बी के संक्रमण से बचाव करता है।
- डीपीटी टीकों की एक श्रेणी होती है, जो इंसानो को होने वाले तीन संक्रामक बीमारियों डिफ्थीरिया, पर्टुसिस (काली खांसी) और टिटनेस से बचाव के लिए दिए जाते हैं।
- पोलियो का टीका पोलियो नामक बीमारी जिसमें बच्चे अपंग हो जाते हैं, से सुरक्षा प्रदान करता है। यह टीका भी बच्चों को जरूर लगवाना चाहिए।
- बच्चे को टीबी से बचाने के लिए अनिवार्य रूप से बी सी जी का टीका लगवा दें। बीसीजी का टीका लग जाने पर शिशु को टीबी की बीमारी से बचाया जा सकता है।
- हिब वेक्सीन का टीका बच्चों को डिफ्थीरिया, काली खांसी, टेटनस, हेपेटाइटिस-बी और एच इन्फलांजी-बी से सुरक्षित रखता है। हिब बेक्टीरिया के संक्रमण से न्यूमोनिया एवं मष्तिष्क ज्वर (मेनिनजाइटिस) जैसी गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

बच्चों से लालच देकर कोई काम न कराएं

'आप अगर खाना नहीं खाओगे, तो रात में भूत आ जाएगा।' क्या आपने भी अपने बच्चे को खाना खिलाने के लिए ऐसा ही कोई बहाना बनाया है? आपका जवाब अगर हां है, तो आपको यह बात समझने की जरूरत है कि कभी-कभी हम बच्चों को अच्छी बातें सिखाने के लिए कुछ ऐसा बोल जाते हैं, जिससे कि उनके मन में कई डर घर कर जाते हैं। इसके अलावा बच्चे अनजाने में ही कई गलत आदतें सीख जाते हैं। इस कारण आपको कुछ बातें याद रखनी चाहिए-

आमतौर अपनी बात मनवाने के लिए माता-पिता बच्चे को कोई लालच देते हैं। जैसे होमवर्क पूरा करने या बाहर न जाने के बदले उसे आइसक्रीम या खिलौने का लालच। ऐसा करना बेहद गलत है क्योंकि इसके बाद भी बच्ची सही बर्ताव करने के बदले आपसे अपनी डिमांड को पूरा करवाने की कोशिश करेगा।

किसी के सामने कोई एक्टिंग करने के लिए कहना

आमतौर पर माता-पिता बच्चों को कोई डांस या एक्टिंग करने के लिए कहते हैं। ऐसा करना शायद एंटरटेनिंग लगे, लेकिन इससे बच्चों के दिमाग पर गलत असर पड़ता है। बार-बार ऐसा कहने पर बच्चे को लगने लगता है कि अगर वह ये सब नहीं करेगा, तो उसके मम्मी-पापा उसे प्यार नहीं करेंगे या फिर मारेंगे।

किसी के सामने बच्चों पर न चिल्लाएं

अधिकतर माता-पिता बच्चों को किसी मॉल में, पब्लिक प्लेस में या फिर किसी पार्क में ही डांटना शुरू कर देते हैं।

इस दौरान बच्चा आपकी बातें न सुनकर वो इस बात पर ध्यान देने लगता है कि आसपास के लोग सुन रहे हैं इसलिए हमेशा बच्चे को एकांत में उसके व्यवहार के बारे में बताएं ताकि वे अपने बुरे व्यवहार को छोड़ सके।

दूसरे बच्चों से तुलना

अपना बच्चा सभी को प्यारा लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप अपने बच्चे को फील गुड कराने के लिए उसकी तुलना दूसरों बच्चों से करेंगे। कई बार ऐसा होता है कि बच्चे को मोटिवेट करने के लिए माता-पिता किसी बच्चे को बुरा बताते हुए अपने बच्चे की तुलना करते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा उस दूसरे बच्चे के लिए मन में नेगेटिव इमेज बना लेगा। आगे चलकर यह नेगेटिव चीज उसकी पर्सनैलिटी का हिस्सा भी बन सकती है।

गलती करने पर गुस्सा करना

कभी-कभी मां-बाप अपने ऑफिस का गुस्सा या किसी और बात का गुस्सा अपने बच्चों पर निकाल देते हैं। साथ ही माता-पिता गुस्से में अपने बच्चे को उस गलती की सजा दे देते हैं, जिसे नजरअंदाज किया जा सकता था। बच्चे को अनुशासन सिखाते वक्त अपनी दूसरी समस्याओं और गुस्से को अलग रखें।

बिटकॉइन 110 दिनों में दे चुकी है 70 फीसदी रिटर्न

मुंबई । दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 110 दिनों में करीब 70 फीसदी का रिटर्न दे चुकी है। अनुमान के अनुसार अगले एक साल में मौजूदा कीमत पर और 70 फीसदी से 130 तक का रिटर्न दे सकती है। जो कि गोल्ड और सिल्वर पर अगले एक साल में मिलने वाले अनुमानित रिटर्न से 10 गुना ज्यादा है। मौजूदा समय में बिटकॉइन 27 हजार डॉलर से ज्यादा पर कारोबार कर रहा है। कुछ दिन पहले बिटकॉइन के दाम 30 हजार डॉलर से ज्यादा हो गए थे। ऐसे में अनुमान है कि बिटकॉइन का दौर दोबारा से शुरू होने के आसार है। गौरतलब है कि गोल्ड मार्केट 60 हजार रुपए प्रति दस ग्राम और सिल्वर 75 हजार प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार लगातार महंगाई के बीच फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में लगातार इजाफे की वजह से बिटकॉइन में लगातार गिरावट देखने को मिली। वहीं उम्मीद की जा रही थी ये तेजी जल्द थम जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका और बिटकॉइन के दाम में तेजी नहीं आ सकी लेकिन क्रिप्टो मार्केट के लिए थोड़ी उम्मीदें जगने लगी हैं।

सरकारी कंपनियों का पीएम सीएआरईएस में योगदान अधिक रहा

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नागरिक सहायता एवं आपातकालीन राहत कोष (पीएम सीएआरईएस) में लिस्टेड कंपनियों द्वारा दिए गए दान में सरकारी कंपनियों का योगदान अधिक रहा है। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों पर नजर रखने वाली फर्म प्राइमइन्फोबेस डॉट कॉम द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि पीएम सीएआरईएस में सरकारी कंपनियों ने करीब 2,913.60 करोड़ रुपए का योगदान किया है। ऐसी 57 कंपनियों की पहचान की गई है जिनमें सरकार की बड़ी हिस्सेदारी है। उनका योगदान पीएम सीएआरईएस में दान देने वाली करीब 247 अन्य कंपनियों के मुकाबले अधिक है। दान की कुल रकम 4,910.50 करोड़ रुपए (सरकारी एवं निजी कंपनियों) में उन सरकारी कंपनियों का योगदान 59.3 फीसदी रहा। पीएम सीएआरईएस में दान देने वाली इन 57 कंपनियों में से शीर्ष 5 कंपनियों में ओएनजीसी 370 करोड़ रुपए, एनटीपीसी 330 करोड़ रुपए, पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया 275 करोड़ रुपए, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन 265 करोड़ रुपए और पावर फाइनैंस कॉरपोरेशन 222.4 करोड़ रुपए शामिल हैं। मार्च 2020 में अपनी स्थापना के बाद से ही पीएम सीएआरईएस विवादों में रहा है। प्रधानमंत्री इस फंड के चेयरमैन हैं और जबकि इसके ट्रस्ट में रक्षा मंत्री, गृह मंत्री तथा वित्त मंत्री शामिल हैं। जनवरी 2023 में केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में पेश एक रिपोर्ट के अनुसार यह भारत सरकार द्वारा नियंत्रित फंड नहीं है।

सोलर को रक्षा मंत्रालय से 212 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली । सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड ने कहा कि उसकी एक सहायक कंपनी को रक्षा मंत्रालय से 212 करोड़ रुपए का ठेका मिला है। सोलर इंडस्ट्रीज ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक इकाई इकोनॉमिक एक्सप्लोसिव्स लिमिटेड ने रक्षा मंत्रालय के साथ हथियारों की आपूर्ति के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने कहा कि ठेका 212 करोड़ रुपए का है। सोलर समूह औद्योगिक विस्फोटकों का विनिर्माण करता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स 60 हजार के ऊपर निकला

निफ्टी भी 119 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी के कारण आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 401.04 अंक करीब 0.67 फीसदी बढ़कर 60,056.10 अंक पर बंद हुआ। वहीं कारोबार के दौरान सेंसेक्स 60,101.64 तक ऊपर आने के बाद 59,620.11 तक गिरा। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 119.35 अंक ऊपर आकर 17,743.40 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 17,754.50 अंक तक ऊपर जाने के बाद 17,612.50 अंक तक गिरा।

आज के कारोबार के दौर सेंसेक्स के शेयरों में 30 में से 23 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। विप्रो के शेयरों को सबसे ज्यादा 2.69 फीसदी लाभ हुआ , इसके अलावा आईसीआईसीआई, एक्सिस बैंक, टाइटन और एसबीआई के शेयर सेंसेक्स के शीर्ष पांच शेयरों में रहे। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में से सात शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। सबसे ज्यादा 1.24 फीसदी नुकसान इंडसइंड बैंक के शेयरों को हुआ। इसके अलावा सन फार्मा, मारुति, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा सेंसेक्स के शेयरों को सबसे ज्यादा

नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बाजारों की तेजी के साथ शुरुआत हुई। दोनों ही सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं। शुरुआत में सेंसेक्स 238 अंक ऊपर 59,893 पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 44 अंक ऊपर 17668 पर कारोबार कर रहा था।

डेलॉइट 1,200 कर्मचारियों को नौकरी से निकालेगी

नई दिल्ली ।

मंदी की आहट अलग-अलग सेक्टरों पर पड़ रही है। पिछले कुछ समय में दुनिया की कई बड़ी कंपनियों ने बड़े स्तर पर कर्मचारियों की छंटनी की है। अब इस लिस्ट में एक और कंपनी डेलॉयट भी शामिल हो गई है। डेलॉइट 4 बड़ी फाइनेंशियल कंसल्टेंसी कंपनियों में शामिल है जिसने छंटनी का ऐलान किया है। लंदन मुख्यालय वाली फर्म डेलॉयट ने 2022 में 59.3 बिलियन डॉलर का सालाना राजस्व दर्ज किया। डेलॉयट ने अमेरिका में लगभग 1,200 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का ऐलान किया है। यह देश में कंपनी के कुल कर्मचारियों का लगभग 1.4 फीसदी है। डेलॉयट ने अपने कारोबार के कंसल्टिंग साइड में मंदी के चलते छंटनी का ऐलान किया है। डेलॉयट के एमडी जोनाथन गंडाल ने ईमेल में कहा कि हमारे अमेरिकी बिजनेस में क्लाइंट डिमांड जारी है। उन्होंने यह कहने से इनकार कर दिया कि ग्रोथ धीमा हो रहा है। डेलॉयट की एनुअल ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट के अनुसार यूएस में इसके कर्मचारियों की संख्या 2021 में 65 हजार से बढ़कर पिछले साल 80 हजार हो गए।

अदाणी पोर्ट्स ने डेट सिक्योरिटी का बायबैक शुरू किया

नई दिल्ली।

अदाणी ग्रुप की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड ने कहा कि उसने 2024 में निकट अवधि के लोन का आंशिक रूप से प्रीपेमेंट करने के लिए कुछ डेट सिक्योरिटी का बायबैक प्रोग्राम शुरु किया है। देश में सबसे ज्यादा पोर्ट्स का संचालन करने वाली अदाणी पोर्ट्स ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि उसने आउटस्टैडिंग डेट में से 130 मिलियन डॉलर तक का टेंडर जारी किया है। कंपनी ने अमेरिका शॉर्टसेलिंग फर्म की रिपोर्ट के बाद शेयरों के गिरते दाम के बाद निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए यह कदम उठाया है। अदाणी समूह की ओर से अमेरिकी फर्म के आरोपों को खारिज कर दिया गया था। सूत्रों के हवाले से सबसे पहले ये बताया था कि अदाणी समूह अपनी विभिन्न कंपनियों के फॉरेन करेंसी बॉन्ड वापस खरीदने की योजना बना रहा है, जिसकी शुरुआत उसकी पोर्ट्स फर्म में 650 मिलियन डॉलर की किश्त से होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि अदाणी समूह संभवतः मौजूदा तिमाही में 250 मिलियन डॉलर से 300 मिलियन डॉलर के बीच किश्त शुरू करेगा और बाकी बॉन्ड को आगामी तिमाही में खरीदने की कोशिश करेगा। हालांकि, अदाणी समूह ने अपनी बायबैक योजनाओं के रिपोर्ट पर कोई जवाब नहीं दिया। पिछले एक महीने में अदाणी समूह के शेयरों और बांडों ने जबरदस्त वापसी की है। अदाणी समूह ने कुछ कर्ज चुकाने के बाद न सिर्फ निवेशकों का भरोसा जीता बल्कि जीक्यूजी भागीदारों से 1.9 अरब डॉलर की फंडिंग भी हासिल की।

पीसी व्यवसाय को हुआ नुकसान तो लेनोवो ने शुरू की कर्मचारियों की छंटनी

नई दिल्ली ।

आर्थिक मंदी के बीच पीसी व्यवसाय को काफी नुकसान होने पर वैश्विक प्रौद्योगिकी ब्रांड लेनोवो ने कथित तौर पर कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लेवोनो में नौकरी में कटौती लगभग 115 मिलियन डॉलर की लागत-कटौती योजना का हिस्सा है। लेनोवो के सीईओ यांग युआनकिंग ने फरवरी में खर्च में व्यापक कमी के हिस्से के रूप में आने वाले कार्यबल समायोजन के बारे में सूचित किया था। कंपनी के 2022 वित्तीय वर्ष के अंत में लगभग 75 हजार कर्मचारी थे। कंपनी के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि जैसा कि हमारे सीईओ युआनकिंग यांग ने हमारी सबसे हालिया तिमाही कमाई की घोषणा में कहा था, हम परिचालन व्यय को कम कर रहे हैं और आवश्यक और उचित कार्यबल समायोजन कर रहे हैं। प्रवक्ता ने डब्ल्यूआरएल टेकवायर को बताया, हम उन क्षेत्रों में निवेश करना जारी रखते हैं जो विकास और कंपनी के समग्र परिवर्तन को गति देते हैं। पीसी और स्मार्टफोन बाजारों में गंभीर गिरावट के कारण 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही में कंपनी का राजस्व 24 प्रतिशत (वर्ष-दर-वर्ष) घटकर 15.3 बिलियन डॉलर और शुद्ध आय 437 मिलियन डॉलर रह गई। कंपनी ने भविष्य में कुल लागत में कटौती के हिस्से के रूप में नौकरी में कटौती का संकेत दिया था।

लेनोवो सीएफओ वोंग वाई मिंग ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के संगम और बाजार की मांग में गतिशील बदलाव पर मंदी का दोष माना था। इंटरनेशनल डेटा कॉर्पोरेशन (आईडीसी) के अनुसार मार्च तिमाही (क्यू1 2023) में, कमजोर मांग अतिरिक्त इन्वेंट्री और बिगड़ते मैक्रोइकॉनॉमिक माहौल के परिणामस्वरूप पारंपरिक पीसी के वैश्विक शिपमेंट में 56.9 मिलियन रिकॉर्ड किया गया, जो पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में 29 प्रतिशत की भारी गिरावट है। लेनोवो 22.4 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ वैश्विक पीसी बाजार का नेतृत्व करता है, इसके बाद एचपी इंक 21.1 प्रतिशत और डेल टेक्नोलॉजीज 16.7 प्रतिशत पर है। रिपोर्ट के अनुसार विकास और मांग में ठहराव भी आपूर्ति श्रृंखला को बदलाव करने के लिए कुछ जगह दे रहा है, क्योंकि कई कारखाने चीन के बाहर उत्पादन के लिए विकल्प तलाशने में लगे हैं। यदि प्रमुख बाजारों में मंदी अगले वर्ष तक खिंचती है, तो सुधार धीमा हो सकता है।

अक्षय कुमार-वीरेंद्र सहवाग ने टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फॉर्म्स में किया निवेश

- दोनों हस्तियों के साथ ही अन्य निवेशकों के जरिए कंपनी ने 14.5 करोड़ का फंड जुटाया

नई दिल्ली ।

बॉलीवुड के मशहूर कलाकार अक्षय कुमार ने एक स्टार्टअप में निवेश किया है। लेकिन इस बात का खुलासा नहीं किया गया है कि आखिर दोनों ने कंपनी में कितने रुपए का` निवेश किया है. इस फर्म का नाम टू ब्रदर्स ऑर्गेनिक फॉर्म्स (टीबीओएफ) है। निक फार्मिंग से जुड़ा ये स्टार्टअप किसानों की मदद करता है। अक्षय कुमार के साथ ही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने भी इस स्टार्टअप में पैसे लगाए हैं। टीबीओएफ की ओर से एक बयान में बताया गया कि बॉलीवुड और क्रिकेट जगत की इन दोनों हस्तियों के साथ ही अन्य निवेशकों के जरिए कंपनी ने 14.5 करोड़ का फंड जुटाया है। रिपोर्ट के मुताबिक अक्षय कुमार-वीरेंद्र सहवाग के अलावा जिन इन्वेस्टर्स ने इस स्टार्टअपमें निवेश किया है, उनमें तेजेश चितलंगी, दुर्गा देवी वाघ, क्रेस्ट वेंचर्स, जावेद तापिया और राजू चेकुरी शामिल हैं। टीबीओएफ नेचुरल एंड ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोडक्ट्स के निर्माण से जुड़ा हुआ स्टार्टअप है। पुणे बेस्ड इस स्टार्टअप की स्थापना दो भाइयों सत्यजीत हांगे और अजिंक्य हांगे ने की है। ये कंपनी अपने फार्मिंग प्रोडक्ट्स दुनिया के 53 से ज्यादा देशों में सप्लाई करती है। भारत में 1000 से ज्यादा शहरों में कंपनी के प्रोडक्ट्स उपबल्ध हैं। स्टार्टअप में निवेश को लेकर अक्षय कुमार का कहना है कि मैं सभी के लिए बेहतर और स्वस्थ भविष्य की दिशा में टीबीओएफ के सफर में शामिल होकर उत्साहित हूं। मैं ऑर्गेनिक फार्मिंग के जरिए रूरल कम्युनिटी को सशक्त बनाने की कंपनी की कमिटमेंट में भरोसा करता हूं। टीबीओएफ में निवेश करने को लेकर पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा कि मैं किसानों और समाज के स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता से प्रेरित था। पूरे भारत और उसके बाहर किसानों के जीवन और लोगों के स्वास्थ्य पर कंपनी के प्रयासों से हो रहे सकारात्मक प्रभाव को देखकर खुशी हो रही है। मैं इस कंपनी को सपोर्ट करने के लिए एक्साइटेड हूं।

सरकारी कंपे नियों का पीएम सीएआरईएस में योगदान अे धिक रहा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नागरिक सहायता एवं आपातकालीन राहत कोष (पीएम सीएआरईएस) में लिस्टेड कंपनियों द्वारा दिए गए दान में सरकारी कंपनियों का योगदान अधिक रहा है। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों पर नजर रखने वाली फर्म प्राइमइन्फोबेस डॉट कॉम द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि पीएम सीएआरईएस में सरकारी कंपनियों ने करीब 2,913.60 करोड़ रुपए का योगदान किया है। ऐसी 57 कंपनियों की पहचान की गई है जिनमें सरकार की बड़ी हिस्सेदारी है। उनका योगदान पीएम सीएआरईएस में दान देने वाली करीब 247 अन्य कंपनियों के मुकाबले अधिक है। दान की कुल रकम 4,910.50 करोड़ रुपए (सरकारी एवं निजी कंपनियों) में उन सरकारी कंपनियों का योगदान 59.3 फीसदी रहा। पीएम सीएआरईएस में दान देने वाली इन 57 कंपनियों में से शीर्ष 5 कंपनियों में ओएनजीसी 370 करोड़ रुपए, एनटीपीसी 330 करोड़ रुपए, पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया 275 करोड़ रुपए, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन 265 करोड़ रुपए और पावर फाइनैंस कॉरपोरेशन 222.4 करोड़ रुपए शामिल हैं। मार्च 2020 में अपनी स्थापना के बाद से ही पीएम सीएआरईएस विवादों में रहा है। प्रधानमंत्री इस फंड के चेयरमैन हैं और जबकि इसके ट्रस्ट में रक्षा मंत्री, गृह मंत्री तथा वित्त मंत्री शामिल हैं। जनवरी 2023 में केंद्र सरकार द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में पेश एक रिपोर्ट के अनुसार यह भारत सरकार द्वारा नियंत्रित फंड नहीं है।

लॉकडाउन ने इकॉनमी के साथ आम आदमी को भी बुरी तरह प्रभावित किया

- महामारी के तीन साल बाद 80 फीसदी जरूरत ईएमआई से हो रही पूरी

नई दिल्ली।

मार्च 2020 में कोरोना महामारी के फैलने के साथ ही 22 मार्च को जनता कर्फ्यू लगा और 24 मार्च को पहली बार लॉकडाउन हुआ था। इसके बाद लॉकडाउन का जो दौर चला उसने देश में जहां आर्थिक गतिविधियों को बुरी तरह से प्रभावित किया, वहीं इकॉनमी को भी नेगेटिव जोन में डाल दिया। इसने कंपनियों को कारोबार पर भी नेगेटिव असर दिखाया, जिसके चलते लाखों लोगों की नौकरियां गईं। कोविड महामारी के उस दौर को बीते तीन साल हो चुकी है। ऐसे में इस बात का आकलन करना जरूरी है कि कोरोना महामारी के कारण लॉकडाउन का जो फैसला लिया गया, उसका असर लगभग 1000 दिन बाद यानी तीन साल बाद भी इकॉनमी और आम आदमी पर कितना गहरा हुआ। विशेषज्ञ की मानें तो लॉकडाउन का पहला गहरा असर यह हुआ कि लोन महंगा हो गया। जिस देश में 70 से 80 फीसदी जरूरत की चीजें लोन लेकर यानी ईएमआई पर खरीदी जाती हों, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इसका लोगों की जेब पर क्या असर पड़ा होगा। वैश्विक स्तर पर कच्चा माल महंगा हुआ। इससे भारत में सब्जियां, दालें, गेहूं समेत दूसरे खाद्य वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ती रहीं। किचन का बजट बिगड़ा। आमदनी घटी। आम आदमी अब तक इससे उबरने की कोशिश कर रहा है।

भारत कोरोना महामारी से उबरने की कोशिश कर ही रहा था कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हो गया। इसके कारण उपजी महंगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी। इसने इकॉनमी को उबराने के बजाय और पीछे धकेल दिया। विशेषज्ञों के अनुसार यूक्रेन युद्ध ने कम से कम दो साल और पीछे धकेल दिया। सप्लाई चेन पूरी तरह बाधित हो गई। बावजूद इसके अभी भी दोनों देश के बीच युद्ध पूरी तरह से रुकता नहीं दिख रहा है। जिससे महंगाई में कमी अभी भी दूर की कौड़ी लग रही है।

रिलायंस रिटेल ने खिलौना बनाने के लिए संयुक्त उद्यम स्थापित किया

नई दिल्ली ।

रिलायंस रिटेल और देशी खिलौना कंपनी रोवन ने खिलौने बनाने के लिए हरियाणा की एक फर्म के साथ संयुक्त उद्यम स्थापित किया है। गौरतलब है कि ब्रिटेन के प्रसिद्ध खिलौना ब्रांड हैमलेज का स्वामित्व रिलायंस रिटेल के पास है।कंपनी ने खिलौनों का व्यापार बढ़ाने के लिए हरियाणा के सोनीपत स्थित सर्किल ई-रिटेल के साथ संयुक्त उपक्रम शुरू किया है। रिलायंस रिटेल के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) दिनेश तलूजा ने पिछले सप्ताह कहा` कि हमने खिलौनों के विनिर्माण के लिए सर्किल ई-रिटेल के साथ संयुक्त उपक्रम बनाया है। सूत्रों के अनुसार कंपनी अब खिलौनों के डिजायन से लेकर उन्हें दुकान तक पहुंचाने की प्रक्रिया को एकीकृत करने के लिए एक रणनीति पर काम कर रही है। इसके तहत रिलायंस रिटेल डिजायन और विनिर्माण से लेकर उत्पाद की खुदरा बिक्री तक समूची प्रक्रिया पर नियंत्रण कर लेगी। इससे रिलायंस को विभिन्न चरणों में अन्य कंपनियों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी। सर्किल-ई रिटेल को खिलौना विनिर्माण में विशेषज्ञता हासिल है। इसकी हरियाणा में एक आधुनिक विनिर्माण इकाई है और इसके पास कई तरह के खिलौनों के विनिर्माण और वितरण का लाइसेंस है।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 354 परियोजनाओ की लागत 4.55 लाख करोड़ बढ़ी

परियोजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक लागत बढ़कर 25,25,348.87 करोड़ होने का अनुमान

मुंबई । बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 354 परियोजनाओं की लागत देरी और अन्य कारणों से तय अनुमान से 4.55 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपये या इससे अधिक की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की मार्च, 2023 की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तरह की 1,449 परियोजनाओं में से 354 की लागत बढ़ गई है, जबकि 821 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार` कि इन 1,449 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 20,69,658.30 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब इसके बढ़कर 25,25,348.87 करोड़ रुपए हो जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 4,55,690.57 करोड़ रुपए बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार मार्च, 2023 तक इन परियोजनाओं पर 13,90,736.58 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 55.07 प्रतिशत है। हालांकि मंत्रालय ने कहा है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखें तो देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 616 पर आ जाएगी। वैसे इस रिपोर्ट में 333 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 821 परियोजनाओं में से 190 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने, 177 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 325 परियोजनाएं 25 से 60 महीने और 129 परियोजनाएं 60 महीने से अधिक की देरी से चल रही हैं। इन 821 परियोजनाओं में विलंब का औसत 37.79 महीने है। इन परियोजनाओं में देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है। इसके अलावा परियोजना का वित्तपोषण, विस्तृत अभियांत्रिकी को मूर्त रूप दिये जाने में विलंब, परियोजना की संभावनाओं में बदलाव, निविदा प्रक्रिया में देरी, ठेके देने व उपकरण मंगाने में देरी, कानूनी व अन्य दिक्कतें, अप्रत्याशित भू-परिवर्तन आदि की वजह से भी इन परियोजनाओं में विलंब हुआ है।

भारत को एक से अधिक जीवंत शेयर बाजार की जरूरत : बीएसई सीईओ

कोलकाता ।

भारत को एक से अधिक जीवंत शेयर बाजार की जरूरत है। प्रमुख शेयर बाजार बीएसई के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ सुंदररमण राममूर्ति ने यह राय देते हुए कहा कि वह शेयर बाजार को मजबूत करने तथा निवेशकों को अधिक लचीलापन देने के लिए अपने उत्पादों में बदलाव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसई में योगदान करने वाले प्रौद्योगिकी प्रदाताओं, दलालों और अंतिम उपयोगकर्ताओं को प्रोत्साहित करने का लक्ष्य है। राममूर्ति ने एक साक्षात्कार में कहा ` कि भारत को एक से अधिक जीवंत शेयर बाजार की जरूरत है और इसलिए बीएसई को और अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता है। हम अपने उत्पादों में बदलाव लाकर कुछ अलग करने की कोशिश कर रहे हैं। राममूर्ति ने जनवरी में बीएसई का कार्यभार संभालने के बाद एक्सचेंज को फिर से मजबूत करने के लिए कई उपाय किए हैं। उन्होंने कहा` कि हम 15 मई से कम लॉट आकार और शुक्रवार को एक नए एक्सपाइरी चक्र के साथ सेंसेक्स और बैंकेक्स वायदा को फिर से पेश कर रहे हैं। सेंसेक्स 30 और बैंकेक्स डेरिवेटिव की पेशकश से निवेशकों को इन लोकप्रिय सूचकांकों में कारोबार करने का अधिक अवसर मिलेगा। हम साप्ताहिक आधार पर विकल्प सौदों को पूरा करने के लिए नियामक से संपर्क करेंगे, जैसा कि अमेरिका में होता है। इसके लिए नियामक से मंजूरी ली जानी है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा बीएसई स्टार एमएफ, इंडिया आईएनएक्स और एसएमई मंच को मजबूत करने का काम जारी रहेगा।

बीएसई स्टार एमएफ भारत का सबसे बड़ा म्यूचुअल फंड वितरण मंच है। बीएसई के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि सेंसेक्स के लिए वायदा और विकल्प का लॉट आकार 15 से घटाकर 10 और बैंकेक्स के लिए 20 से घटाकर 15 कर दिया जाएगा।

50 साल के हुए सचिन, दुनिया भर से मिली शुभकामनाएं

मुंबई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आज सोमवार को 50 साल के हो गए हैं। सचिन को उनके जन्मदिन पर साथी खिलाड़ियों के साथ ही दुनिया भर के अपने प्रशंसकों और खेल हस्तियों ने शुभकामनाएं दीं। सचिन ने अपने पूरे करियर में सबसे अधिक रनों और शतकों के साथ ही करीब दो दशक से अधिक समय तक खेलकर जो विश्व रिकार्ड बनाया है उसके करीब भी अन्य खिलाड़ी नहीं पहुंच पाये हैं। तेंदुलकर ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान 664 मैच खेलकर सभी प्रारूपों में कुल मिलाकर 34,357 रन बनाए हैं। वह इतिहास में एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने टेस्ट में 51 और एकदिवसीय में 49 सहित कुल 100 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाये हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 200 मैचों में 15,921 रनों के साथ ही सबसे अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने इसके साथ ह अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 264 छक्के भी लगाए हैं। करीब 10 साल पहले क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भी उनकी लोक्रपियता और ब्रांड वैल्यू पहले की तरह ही है। तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल 1973 को मुंबई में हुआ था। टेस्ट और एकदिवसीयअंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सबसे अधिक मैच खेलने के मामले में भी सचिन शीर्ष पर हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 34357 रन बनाए हैं। उनके बाद दूसरे नंबर के खिलाड़ी श्रीलंका के कुमार संगकारा के 28016 रन हैं। इस तरह पहले और दूसरे नंबर के बीच 6 हजार से ज्यादा रनों का अंतर है।

आईपीएल में आज होगा गुजराज टाइटंस और मुंबई इंडियंस का मुकाबला

अहमदाबाद ।(एजेंसी)

गुजरात टाइटंस की टीम मंगलवार को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैदान पर उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा पर मुम्बई के सामने उसकी राह आसान नहीं रहेगी। गुजरात की टीम आईपीएल के अपने इस दूसरे सत्र में उस प्रकार से नहीं खेल पायी है जैसा उसने पिछले साल पदार्णण के समय खेला था। इस बार टीम के गेंदबाज डेथ ओवरों में भी प्रभावी नहीं दिखे जिससे वह अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पा रही। वहीं दूसरी ओर पिछले मैच में पंजाब किंग्स से हार के कारण मुंबई इंडियंस का मनोबल गिरा हुआ है। ऐसे मे उसका लक्ष्य इस मैच में गुजरात टाइटंस को हराकर जीत की राह पर वापसी करना रहेगा।

मुंबई ने इस सत्र में खराब शुरुआत के बाद लगातार तीन मैच जीते थे पर पिछले मैच में उसे पंजाब से 13 रन से हार का मिली थी। इस मैच में मुंबई के गेंदबाजों ने अंतिम पांच ओवर में 96 रन लुटा दिए जिससे पंजाब आठ विकेट पर 214 रन बनाने में सफल रहा। ऐसे में अब गुजरात के खिलाफ मुकाबले से पहले मुंबई को अंतिम ओवरों में विरोध बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। मुंबई के तेज गेंदबाजों अर्जुन तेंदुलकर, जेसन बेहरेनडॉर्फ, कैमरन ग्रीन और जोफा आर्चर में से प्रत्येक के खिलाफ पंजाब के मैच में 40 से अधिक रन गये थे। केवल अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला और उनके युवा ऋतिक शौकीन ने अच्छी गेंदबाजी की थी। मुंबई की बल्लेबाजी हालांकि अच्छी है। टीम के कप्तान रोहित शर्मा और ईशान किशन ने जहां टीम को अब तक अच्छी शुरुआत दी है। वहीं आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के फार्म में आने से भी टीम का मध्यक्रम बेहतर हुआ है। इसके अलावा ऑलराउंडर कैमरुन ग्रीन और टिम डेविड ने भी अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है। वहीं गुजरात का गेंदबाजी आक्रमण भी बेहतर है और ऐसे में मुंबई के बल्लेबाजों के लिए रन बनाना आसान नहीं रहेगा। गुजरात के गेंदबाजों पर हालांकि इस मैच में दबाब रहेगा क्योंकि सत्र में स्कोर का बचाव नहीं करने के लिए उसकी आलोचना हो रही थी पर लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में उन्होंने डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी की थी। इस मैच में गुजरात की जीत में अनुभवी मोहित शर्मा की अहम भूमिका रही। इस मैच में लखनऊ ने 136 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 14 ओवर में एक विकेट पर 105 रन बनाए थे लेकिन मोहित की शानदार गेंदबाजी से गुजरात यह मैच जीतने में सफल रहा। मोहित ने अंतिम ओवर में 12 रन नहीं बनने दिये।। मोहित ने जहां गुजरात की ओर से शानदार प्रदर्शन किया है वहीं अनुभवी मोहम्मद शमी ने भी विकेट लेकर उनका साथ दिया। कप्तान हार्दिक पांड्या अब तक गेंदबाजी में विफल रहे हैं और उनके नाम केवल एक विकेट है। टीम के पास राशिद खान जैसा अच्छा स्पिनर है। राशिद के अलावा टीम के पास नूर अहमद और जयंत यादव भी शामिल हैं। पिछले मैच में जयंत ने अपने अंतिम दो ओवरों में केवल सात रन दिए थे जबकि नूर अहमद ने अपने आखिरी दो ओवर में पांच रन देकर दो विकेट लिए थे।

बल्लेबाजी की बात करें तो रिद्धिमान साहा और शुभमन गिल शीर्ष क्रम में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं जबकि पिछले मैच में कप्तान हार्दिक पंड्या ने सबसे अधिक रन बनाये थे। गुजरात को मध्य के ओवर में डेविड मिलर से तेजी से रनों की उम्मीद रहेगी। वहीं मुम्बई की बल्लेबाज रोहित , इशान और तिलक जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी। गेंदबाजी की कमान रिले मेरेडिथ , पीयूष चावला पर रहेगी। ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर भी इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगे।

यूएई ने सिंगापुर को 201 रनों से हराया

काठमांडू ।(एजेंसी)

मोहम्मद वसीम 160 और वृत्य अरविंद के 174 रनों की सहायता से एसीसी प्रीमियर लीग क्रिकेट में यूएई ने सिंगापुर को 201 रनों से हरा दिया। इस मैच में यूएई की टीम ने सिंगापुर के खिलाफ पहले खेलते हुए 471 रन बनाये। इसके बाद सिंगापुर को 270 रन पर रोककर उसने 201 रन की बड़ी जीत हासिल की। सिंगापुर की ओर से कप्तान मनप्रीत सिंह और थिलिपन ओमैदुरई ने अर्धशतक लगाए पर वह टीम को जीत दिलाने में सफल नहीं रहे। इस प्रारुप में अभी तक सबसे ज्यादा 498 रनों का रिकार्ड इंग्लैंड के नाम हैं। इस मैच में यूएई का पहला विकेट तीसरे ओवर में ही गिर गया। आर्यन लाकड़ा 12 रन बनाकर पेवेलियन लौट गए। इसके बाद मोहम्मद वसीम और अरविंद ने 246 रन की साझेदारी बनायी। वसीम ने जहां 82 गेंदों में नौ चौके और 16 छक्कों की मदद से 160 रन बनाए जबकि अरविंद ने 133 गेंदों में 17 चौके और सात छक्कों की सहायता से 174 रन बनाये। मध्यक्रम में आयान अफजल खान ने 50 गेंदों में नौ चौके और 3 छक्कों की सहायता से 74 रन बनाए। इस प्रकार यूएई का स्कोर 471 तक पहुंच गया। सिंगापुर ने यूएई के बल्लेबाजों पर अकुश के लिए आठ गेंदबाजों का इस्तेमाल किया था। इसमें भार्गव ने चार विकेट लिए थिलिपन ओमैदुरई ने नौ ओवर में 90 रन दे दिए। भास्करन ने 61 रन देकर दो तो कालीमुथु रमेश ने 73 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में खेलने उतरी सिंगापुर की ओर की शुरूआत खराब रही। रोहन रंगाराजन 2 तो अस्रिा दत्ता 38 रन ही बना सके। कप्तान मनप्रीत सिंह और थिलिपन ओमैदुरई ने अर्धशतक लगाए पर अन्य बल्लेबाजा नाकाम रहे।

अब भी करोड़ों की कमाई कर रहे सचिन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को संन्यास लिए एक दशक हो गया है। 24 साल के सबसे लंबे अंतराष्ट्रीय करियर वाले सचिन अब 50 साल के हो गए है। उन्होंने अपने करियर में कई रिकॉर्ड बनाए हैं। खेल को अलविदा कहने के बाद भी सचिन कमाई के मामले में काफी आगे हैं। वह नाम कंपनियों के ब्रांड एंडोर्समेंट सहित अन्य कई साधनों से करोड़ों रुपये कमा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सचिन की कुल कमाई करीब 175 मिलियन डॉलर यानी 1436 करोड़ रुपये है। सचिन के संन्यास के बाद भी बड़े-बड़े ब्रांड अभी भी उनके नाम पर भरोसा करते हैं और उन्हें अपने विज्ञापनों में लेने को तैयार रहते हैं। सचिन को अवीवा , पेप्सी सहित कई नाम कंपनीयों के विज्ञापन में देखा जाता है। इसके अलावा जियो सिनेमा के भी वह ब्रांड एंबेसडर हैं। सचिन के पास मुंबई के पॉश बांद्रा इलाके में एक आलीशान बंगला है, जिसकी कीमत तकरीबन 100 करोड़ रुपये बताई जाती है। इसके अलावा उनके पास केरल में भी एक बंगला है। वहीं मुंबई के बांद्रा के कुर्ला कॉम्प्लेक्स में उनके पास एक लग्जरी फ्लैट भी है। उनके पास बीएमडब्ल्यू सहित एक से बढ़कर एक महंगी और लग्जरी कारें हैं।

सिडनी क्रिकेट मैदान के एक गेट का नाम सचिन हुआ

सिडनी ।(एजेंसी)

सिडनी क्रिकेट मैदान (एससीजी) ने महान भारतीय बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के 50वें जन्मदिन पर उनके प्रति सम्मान व्यक्त करने के लिए एक गेट का नाम सचिन कर दिया है। इससे पहले महान भारतीय बल्लेबाज तेंदुलकर ने विदेशी धरती पर एससीजी को अपना पसंदीदा क्रिकेट मैदान बताया था। तेंदुलकर ने एससीजी द्वारा जारी बयान में कहा, 'भारत के बाहर सिडनी क्रिकेट मैदानमेरा पसंदीदा मैदान रहा है। ऑस्ट्रेलिया के 1991-92 में मेरे पहले दौरे से ही लेकर एससीजी से मेरी कुछ खास यादें जुड़ी हैं। उन्होंने एससीजी में पांच टेस्ट मैचों में 157 की औसत से 785 रन बनाए जिसमें उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 241 रन रहा है।

एससीजी में इससे पहले वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा के 277 रन की पारी के 30 साल पूरे होने पर भी उनके नाम के एक गेट का अनावरण किया गया था। इन दोनों गेट का अनावरण एससीजी के अध्यक्ष रॉड मैकगियोच और सीईओ केरी माथेर तथा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉक्ले ने किया। ऐसे में खिलाड़ी अब लारा-तेंदुलकर गेट से मैदान में प्रवेश करेंगे।

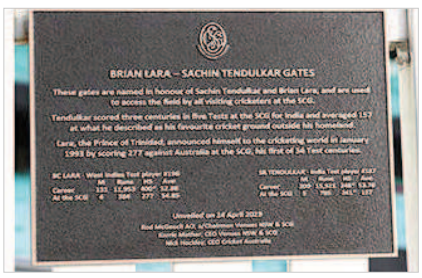

इन दोनों ही गेट पर एक पट्टिका भी लगाई गई है जिस पर इन दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धियां और एससीजी में उनके रिकॉर्ड के बारे में बताया गया है। तेंदुलकर ने कहा, 'यह बड़े सम्मान की बात है कि एससीजी पर प्रवेश करने के लिए खिलाड़ी उस गेट का उपयोग करेंगे जिसका नाम मेरे और मेरे अच्छे दोस्त ब्रायन के नाम पर रखा गया है। मैं इसके लिए एससीजी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का आभारी हूं। जल्द ही एससीजी का दौरा करूंगा। लारा ने कहा, 'मैं सिडनी क्रिकेट ग्राउंड से मिली इस मान्यता से बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं और मुझे पूरा विश्वास है कि सचिन भी ऐसा महसूस कर रहे होंगे।

संक्षिप्त समाचार

खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ के चुनाव पर रोक लगायी

नई दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर पर ओलंपियन पहलवानों के भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ धरने के बाद खेल मंत्रालय ने महासंघ के चुनानों पर फिलहालपर रोक लगा दी है।कुश्ती महासंघ के ये चुनाव 7 मई को होने वाले थे। गौरतलब है कि बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई पर पहलवान अड़े हुए हैं। इस मामले को लेकर पहलवानों ने पहले भी धरना दिया था। तीन माह पहले भी जंतर-मंतर पर विनेश फोगाट, बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक समेत कई दिग्गज पहलवान एकत्र हुए थे। ब्रजभूषण पर पहलवानों ने यौन शोषण, तानाशाही-मनमानी, अपशब्दों का प्रयोग, मानसिक प्रताड़ना के साथ ही धमकाने के आरोप लगाये हैं। गाट ने कहा कि जैसे की आप सब जानते हैं कि तीन महीने पहले हमने रेसलिंग फेडरेशन के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आवाज उठाई थी। तब सरकार ने एक कमेटी बनाई थी और 4 हफ्ते का समय मांगा था पर 3 महीने बीत जाने के बाद भी कोई परिणाम नहीं निकला गए, हमें इंतजार करते हुए, हमारे साथ आज भी न्याय नहीं हुआ है। दो दिन पहले हम पुलिस स्टेशन गए थे। जहां 7 लड़कियों ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई करने की शिकायत दी है पर अब तक प्राथमिकी दर्ज नहीं हुई है।

अगले मैच में वापसी के लिए तैयार हैं : सैमसन

जयपुर । रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के हाथों सात रनों से मिली हार के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने ने कहा है कि अब हम अगले मैच में अच्छी वापसी का प्रयास करेंगे। राजस्थान को इस मुकाबले में सात रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉयल्स को जीत के लिए 190 रनों का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में राजस्थान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन ही बना पाई। राजस्थान को आखिरी ओवर में जीत के लिए 20 रन बनाने थे पर उसके बल्लेबाजी इस ओवर में केवल 12 रन ही बना पाये। सैमसन ने कहा कि शेमरोन हेटमायर का आज दिन नहीं था, इसलिए वह असफल रहे। इसके साथ उन्होंने कहा कि इस हार के बाद वह मजबूती से वापसी करने के लिए तैयार हैं। सैमसन ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप इस मैदान पर खेल रहे होते हैं, तो एक ओवर में 10 से 13 रनों का पीछा किया जा सकता है। यह आम तौर पर गति प्राप्त करने के बारे में है। हेटमायर हमारे लिए तेजी से रन बनाते हैं पर आज उनका दिन नहीं था। आर रविचंद्रन अश्विन ने अपने अनुभव के साथ पिछले कुछ मैचों में दबाव के क्षणों में अच्छा प्रदर्शन किया है। आईपीएल के खेल में जीत और हार बहुत कम अंतर से होती है। अगर हमें दो लगातार हार का सामना करना पड़ा, तो हमें कमर कसने की जरूरत है और अगले गेम में मजबूत वापसी करने की जरूरत है।

जंतर-मंतर पर फिर धरने पर बैठे पहलवान, बृजभूषण के खिलाफ एफआइआर कराने की मांग

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

ओलंपियन पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए एक बार फिर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे हैं। धरने पर बैठे इन पहलवानों की अगुवाई बजरंग पुनिया, विनेश फोगोट, साक्षी मलिक और संगीता फोगोट जैसे ओलंपिक पदक विकेता पहलवान कर रहे हैं। से सभी पहलवान तीन महीने पहले भी दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे थे पर सरकार के आश्वासन के बाद इन्होंने अपना धरना समाप्त कर दिया था। इन पहलवानों का कहना है कि आज तक भी बृजभूषण पर कार्रवाई नहीं हुई है। इन पहलवानों ने बृजभूषण के खिलाफ अब एफआइआर दर्ज कराने की मांग की है। बजरंग पुनिया ने कहा, अभी शिकायत किए हुए 48 घंटे से ज्यादा हो गया पर अभी तक एफआईआर नहीं हुई है। साथ ही कहा कि इस बार समर्थन के लिए आने वाले सभी दलों का स्वागत है। वहीं दूसरी ओर , दिल्ली पुलिस ने कहा है कि महासंघ प्रमुख बृजभूषण के खिलाफ पहलवानों की शिकायत को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने इस मामले में खेल मंत्रालय द्वारा गठित जांच समिति से अपनी रिपोर्ट मांगी है। वहीं विनेश ने कहा, सात महिला पहलवानों ने कनाट प्लेस थाने में दो दिन पहले ही बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत दी है। इसमें से एक पहलवान नाबालिग है। इसलिए बृजभूषण के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर पोक्सो के तहत कार्रवाई की जाए। उन्होंने उनका नार्को टेस्ट कराए जाने की मांग भी की।विनेश ने कहा कि दो दिन पहले हमनें शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। जब तक कार्रवाई नहीं होगी, हमारा धरना जारी रहेगा। हम महिला पहलवानों को न्याय दिलाए बिना अब यहां से नहीं उठेंगे।

वहीं बजरंग ने कहा, हमें सरकार पर भरोसा था। जनवरी में जब हमने धरना दिया था, सरकार ने सभी मांगें मानने और कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। जांच के लिए समिति भी गठित की थी पर ढाई महीने में भी समिति किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाई है। अब वे हमसे संपर्क भी नहीं कर रहे हैं। खेल मंत्रालय से संपर्क करने की कोशिश भी की, लेकिन उन्होंने हमसे मिलने में कोई रुचि नहीं दिखाई। हमारी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसलिए मजबूर होकर हमें यहां फिर धरने पर बैठना पड़ा है।

सीएसके की ओर से सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने शिवम

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

ऑलराउंडर शिवम दूबे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेजी से अर्धशतक लगाने वाले सीएसके के बल्लेबाज बने हैं। शिवम ने सीएसके की ओर से तीसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया। इस आक्रामक बल्लेबाज ने यहां ईडन गार्डन में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ पारी के दौरान ये रिकार्ड बनाया। की। इस मैच में शिवम ने केवल 21 गेंदों में ही 50 रन बना दिये। इस पारी में शिवम ने कुल दो चौके और पांच छक्के लगाये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 238.10 रहा। शिवम ने इस सत्र में सीएसके की ओर से कुछ अहम पारियां खेली हैं। उन्होंने छह पारियों में 30.66 की औसत से कुल 184 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 52 के स्कोर के साथ दो अर्धशतक लगाये हैं। इस सीजन में उनका स्ट्राइक रेट 157.26 रन रहा है। सीएसके की ओर से सबसे तेज अर्धशतक को रिकार्ड सुरेश रैना के नाम है। रैना ने साल 2014 में पंजाब किंग्स के खिलाफ केवल 16 गेंदों में ये बनाया था। वहीं दूसरे नंबर पर मोइन अली और अजिंक्य रहाणे हैं। इन दोनो ने ही राजस्थान रॉयल्स साल के खिलाफ 19 गेंदों में अर्धशतक लगाये थे। धोनी ने एमआई के खिलाफ और अंबाती रायडू ने भी एमआई के खिलाफ ही 20 गेंदों में अर्धशतक लगाये थे।

राणा ने बताया केकेआर की हार का कारण

कोलकाता । आईपीएल मुकाबले में अपने घरेलू मैदान पर मिली करारी हार से निराश कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान नीतिश राणा ने कहा है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) जैसे टीम के खिलाफ गलती कर कोई भी टीम नहीं जीत सकती है। इस मैच में केकेआर जीत के लिए मिले लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी। हार के बाद कप्तान राणा ने कहा कि हमारी टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में अधिक रन नहीं बना पाई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने इतनी बड़ी टीम के आगे काफी गलतियां की, जिसका परिणाम मैच में हार के साथ ही सामने आया। नीतिश राणा ने कहा, यह हार स्वीकार करना कठिन है। उन्होंने कहा कि अगर आप पावरप्ले में अच्छा नहीं करते हैं तो 236 रनों का पीछा करना हमेशा ही मुश्किल होता है। उन्होंने सीएसके की जीत का श्रेय अजिंक्य रहाणे को दिया है। उन्होंने कहा, यह पचा पाना मुश्किल है कि हमने हमने इतना बड़ा स्कोर बनने दिया। इसके बाद भी हमारे पास कुछ सकारात्मक चीजे हैं पर अगर आप नहीं सुधरे तो हारते रहेंगे। रहाणे और शिवम के अर्धशतक से सीएसके ने इस केकेआर को 49 रन से हराकर अंक तालिक में शीर्ष स्थान हासिल किया है।

मेरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी शेष : रहाणे

कोलकाता ।(एजेंसी)

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से शानदार बल्लेबाजी करने वाले अजिंक्य रहाणे अब बेहद उत्साहित हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ टीम को मिली जीत में रहाणे की आक्रामक पारी की अहम भूमिका रही। रहाणे का कहना है कि उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी शेष है। सीएसके की पीली जर्सी पहनते ही रहाणे एकदम बदले-बदले दिखे। उन्होंने 19 गेंदों में अर्धशतक के साथ ही अंतिम ग्यारह में अपनी जगह पक्की की है। उन्होंने 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 29 गेंदों में 71 रनों की पारी खेली।रहाणे की इस पारी के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ को 49 रन से हरा दिया। आईपीएल के इस सत्र में यह रहाणे का दूसरा अर्धशतक है। इससे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 71 रन की पारी खेली थी। उन्होंने आईपीएल के इस सत्र में अबतक 199.04 की औसत से 209 रन बनाये हैं।रहाणे ने कहा कि वह सीएसके की ओर से अपनी बल्लेबाज का आनंद ले रहे हैं पर उनका अभी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अभी बचा है। रहाणे ने कहा, अगर आपका दिमाग सही है तो आप ठीक रहेंगे। मैं सिर्फ अपने खेल का आनंद उठाने की कोशिश कर रहा हूं। एक बार जब आप अंदर आ जाते हैं तो आपके पास अच्छा मौका होता है। हमारी शुरुआत शानदार रही और उसके बाद मैं अपने शॉट खेलना चाहता था और गति बनाए रखना चाहता था। मैंने अब तक अपनी सभी पारियों का आनंद लिया है, मुझे अभी भी लगता है कि सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी है। रहाणे ने सालों बाद आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में खेलने के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, यह सीखने का अच्छा अवसर है। मैंने कई वर्षों तक भारत के लिए माही भाई के नेतृत्व में खेला है, और अब सीएसके में भी यह शानदार अवसर रहा। यदि आप उनकी कही हर बात को सुनते हैं, तो आप ज्यादा बेहतर प्रदर्शन करेंगें। उन्होंने आगे कहा, सीएसके में मुझे खेलने का मौका मिला है. जब सीएसके ने मुझे चुना तो मैं बहुत खुश था। जब आप माही भाई के नेतृत्व में खेलते हैं, तो आपको बहुत कुछ सीखने का मौका मिलता है। एक खिलाड़ी के रूप में और एक बल्लेबाज के रूप में, आप हमेशा एक क्रिकेटर के रूप में सुधार करने और बढ़ने की कोशिश करते हैं। सीएसके ने मुझे जो मौका दिया, उसके कारण मैं यह दिखा सका कि मेरे पास कौन से शॉट्स हैं।

काउंटी में पुजारा के खराब प्रदर्शन से भारतीय टीम प्रबंधन भी परेशान

मुम्बई । टीम इंडिया के टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अभी इंग्लैंड में काउंट क्रिकेट खेल रहे हैं। पुजारा यहां काउंटी टीम ससेक्स की कप्तानी कर रहे हैं। पुजारा इस मैच में बल्लेबाजी में विफल रहे हैं। पुजारा दोनो ही पारियों में 20 रन भी नहीं बना पाये। भारतीय टीम को इस साल जून में इंग्लैंड में ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेलना है। उससे पहले पुजारा की इस नाकामी से टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। भारतीय प्रबंधन उम्मीद कर रहा है कि काउंटी क्रिकेट से वह इंग्लैंड के माहौल में ढ़लकर विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। पुजारा काउंट टीम यार्कशायर के खिलाफ पहली पारी में 49 गेंद पर 18 रन ओर दूसरी पारी में 20 गेंद पर केवल 13 रन ही बनाकर पेवेलियन लौटे। पुजारा ने इससे पहले कांउटी में डरहम के खिलाफ 115 और 35 रन बनाए थे। ससेक्स ने यह मुकाबला 2 विकेट से जीता भी था। पुजारा ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 57 शतक और 75 अर्धशतक बनाये हैं। उन्होंने कुल 18 हजार से अधिक रन बनाये हैं। इसमें 352 रनों की बड़ी पारी भी शामिल है। वहीं पुजारा ने टेस्ट में 102 मैच में 19 शतक और 35 अर्धशतक लगाकर 7154 रन बनाए हैं।

1 मई से ग्रामीण स्तर से प्राकृतिक कृषि प्रशिक्षण महाअभियान का शुभारंभ

अहमदाबाद । गुजरात समग्र देश के लिए एक मॉडल राज्य है। सम्पूर्ण भारत प्राकृतिक खेती से सम्बंधित गुजरात से प्रेरणा ले इस लक्ष्य के साथ गुजरात में प्राकृतिक खेती के लिए 'मिशन मोड' पर काम शुरू किया गया है। राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने आज सोमवार को सी.एम. डैशबोर्ड के माध्यम से सभी ज़िलाधिकारियोंऔर ज़िला विकास अधिकारियों से संवाद कर गुजरात राज्य के आगामी स्थापना दिवस 1 मई से ग्रामीण स्तर से प्रारंभ किये जाने वाले प्राकृतिक कृषि अभियान के विषय में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी ने कहा कि जिस प्रकार डांग ज़िला पूर्णत: प्राकृतिक खेती करने वाला ज़िला है उसी प्रकार सम्पूर्ण गुजरात राज्य को पूर्णत: प्राकृतिक खेती राज्य बनाने की दिशा में प्रयत्न करने की आवश्यकता है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी लगातार प्राकृतिक कृषि पद्धति के के प्रसार को बढ़ाने के लिए चिंतित हैं और मार्गदर्शन दे रहे हैं, गुजरात में अब मिशन मोड पर काम शुरू करने की आवश्यकता है।उन्होंने कहा कि किसानों के कल्याण, लोगों के स्वास्थ्य, धरती माता तथा गौ माता के संरक्षण के लिए प्राकृतिक कृषि प्रणाली अनिवार्य है। राज्यपाल आचार्य देवव्रतजी ने सभी ज़िलाधिकारियोंएवं ज़िला विकास अधिकारियों से अधिक सजगता तथा प्राथमिकता से प्राकृतिक खेती के लिए कार्य करने का अनुरोध करते हुए कहा कि सभी जिलों में प्राकृतिक खेती की स्थिति की प्रत्येक माह विस्तृत समीक्षा करना आवश्यक है। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को उनकी उपज के लिए उचित बाजार मिले इसके लिए ग्राम स्तर, तालुका स्तर और जिला स्तर पर सप्ताह में दो दिन विशेष बाजार की व्यवस्था स्थापित करने का भी सुझाव दिया। उन्होंने ज़िलाधिकारियोंतथाज़िला विकास अधिकारियों से भी अनुरोध किया कि वे उस ज़िले में श्रेष्ठ प्राकृतिक खेती करने वाले किसान के खेत-वाड़ी का सप्ताह में एक बार दौरा अवश्य करें। गुजरात राज्य के स्थापना दिवस 1 मई से राज्य के 14,455 ग्राम पंचायत क्षेत्रों के किसानों को इसमें शामिल करने के लिए राज्य भर में मुफ्त प्रशिक्षण अभियान चलाया जाएगा। राज्य के सभी गांवों के लिए 10-10 गांवों के 1,473 क्लस्टर बनाए गए हैं। 10 गांवों में से किसी एक में सेप्राकृतिक खेती करने वाले निपुण किसान; तथा जिसे राज्य सरकार ने मास्टर ट्रेनर के रूप में विशेष प्रशिक्षण दिया है, साथ ही आत्म-कृषि विभाग के एक विशेषज्ञ प्रतिनिधि दोनोंअपनेआवंटित दस गांवों में किसानों को नि:शुल्क में प्राकृतिक खेती का प्रशिक्षण देंगे।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ज़िला अधिकारियों को प्रेरक संबोधन देते हुए कहा कि राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएं पांच-पच्चीस वर्षों तक फलदायी-लाभदायी हो सकती हैं, लेकिन प्राकृतिक खेती पद्धति के लिए राज्य सरकार के प्रयासों से लोगों को पीढ़ियों तक लाभ पहुँचाया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बैक टू नेचर के मन्त्र का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रकृति के पास अनेक समस्याओं का समाधान है। आजकल किसी भी व्यक्ति को किसी भी उम्र में गंभीर बीमारियां देखने को मिल रही हैं। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग ने स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं पैदा कर दी हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी स्थिति में प्राकृतिक खेती पद्धति बहुत आवश्यक है। राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रतजी ने ज़िलातंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों से प्राकृतिक खेती के अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सबके साथ सबके विकास के लिएसबकेविश्वासव सबके साथ से प्राकृतिक खेती का दायरा बढ़ाने के लिये सभी के साझा प्रयासों पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह निश्चित है की प्राकृतिक खेती पद्धति को अपनाने से राज्य के लोगों को काफी लाभ होगा। कृषि मंत्री राघव जी पटेल ने सभी ज़िलाधिकारियोंतथाज़िला विकास अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में अधिक से अधिक किसान प्राकृतिक खेती करें, इसके लिए राज्य सरकार का कृषि विभाग पूरी लगन से काम कर रहा है। देशी गाय आधारित प्राकृतिक खेती के लिए किसानों-पशुपालकों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार प्रतिमाह 900 रुपए देती है। प्राकृतिक खेती ही हमारा भविष्य है। उन्होंने गुजरात को प्राकृतिक खेतीमय बनाने और इसे प्राकृतिक खेती में नंबर वन बनाने की अपील की।

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' ही सकारात्मकता का सबसे बड़ा उदाहरण : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए सूत्र 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' ही सकारात्मकता का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि गुजरात राज्य तथा नरेन्द्र मोदी की कार्यपद्धति सदा-सर्वदा सकारात्मक रही है। उन्होंने काम करके दिखाए, जिससे लोग सकारात्मक हुए। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल विश्व पुस्तक दिवस पर अहमदाबाद में वरिष्ठ पत्रकार रमेश तन्ना की पॉज़ीटिव स्टोरीज़ श्रृंखला की दसवीं पुस्तक 'समाजनो छांयडो (समाज की छाँव)' के अनावरण अवसर पर बोल रहे थे7 पटेल ने कहा कि पहले लोग मानते थे कि भारत में कुछ बदल नहीं सकता, परंतु यह मान्यता पीएम मोदी के नेतृत्व में बदली है, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण स्वच्छता अभियान है। उल्लेखनीय है कि वरिष्ठ पत्रकार तथा सम्पादक रमेश तन्ना द्वारा लिखित 'समाजनो छांयडो' पुस्तक में समाज में सकारात्मकता फैलाने वाले बस कण्डक्टर, प्रकृति प्रेमियों एवं समाजसेवियों के सेवा कार्यों का वर्णन है। इस समारोह में मुख्यमंत्री तथा सामाजिक नायकों के करकमलों से पुस्तक का अनावरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक जीवन में सकारात्मकता होना आवश्यक है। सुबह जागें, तब से लेकर रात्रि में सोएँ, तब तक हमें लगता है कि मानो हम मुश्किलों से घिरे हुए हैं। सामाजिक जीवन की कोई एक घटना नकारात्मक हो सकती है, परंतु अन्य 99 सकारात्मक होती हैं। हमें उन पर नज़र रखनी चाहिए। सकात्मकता पर बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीमद् भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन की दृष्टि बदली थी। हमारे धर्मगुरु भी समझाते हैं कि जीवन में सकारात्मक रह कर कर्म करने से परिणाम भी सकारात्मक प्राप्त होते हैं। हमें परिणामोन्मुखी प्रयास करने चाहिए और इसके बाद परिणाम स्वीकारने का बल पुस्तकों के माध्यम से मिलता है, जिसके माध्यम से एक सकारात्मक समाज का निर्माण होता है। गुजरात सरकार के 'वाँचे गुजरात (पढ़े गुजरात)' जैसे अभियान समाज की दृष्टि में बदलाव लाने का एक प्रयास हैं।

गुजरात सरकार का 'स्वागत ऑनलाइन शिकायत निवारण कार्यक्रम' यूएन अवॉर्ड से सम्मानित

अहमदाबाद । गुजरात में 'ईज़ ऑफ़ लिविंग' को प्रमोट करने तथा आम जनता एवं सरकार के बीच अंतर को समाप्त करने के लिए टेक्नोलॉजी में विद्यमान क्षमता का अधिकतम् उपयोग कर राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज से 20 साल पहले यानि 24 अप्रैल, 2003 को स्ङ्खव्रङ्ग (स्वागत ङ्क स्टेट वाइड अटेंशन ऑन ग्रिवेंसेज़ बाय एप्लिकेशन ऑफ़ टेक्नोलॉजी) कार्यक्रम की शुरुआत की थी। राज्य सरकार के स्वागत कार्यक्रम को आज 20 वर्ष पूर्ण हुए हैं और इन दो दशकों में इस कार्यक्रम के द्वारा गुजरात के लाखों नागरिकों की विभिन्न समस्याओं का सफलतापूर्वक निराकरण लाया गया है। यह स्ङ्खव्रङ्ग कार्यक्रम इस बात का उत्तम उदाहरण है कि किस प्रकार टेक्नोलॉजी के उपयोग से सुशासन का सुधारा जा सकता है ? इसके लिए इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न अवॉर्ड्स प्राप्त हुए हैं। सार्वजनिक सेवा में पारदर्शिता, जवाबदेही और उत्तरदायित्व को लेकर प्रभावशीलता, कार्यदक्षता एवं गुणवत्ता के लिए स्वागत कार्यक्रम को यूएन जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थान द्वारा यूनाइटेड पब्लिक सर्विस अवॉर्ड 2010 प्रदान किया गया है। वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक संस्थानों के कामकाज व सृजनात्मक उपलब्धियों से जब आम जनता को प्रभावी सार्वजनिक एवं प्रशासनिक सेवाएँ प्राप्त होती हैं, तो इसके लिए यूनाइटेड नेशनल पब्लिक सर्विस अवॉर्ड प्रदान किया जाता है और वर्ष 2010 में यह अवॉर्ड स्वागत कार्यक्रम को दिया गया है। वर्ष 2010-11 में भारत सरकार द्वारा राज्य के नागरिकों को प्रभावशाली सेवाएँ प्रदान करने के लिए स्वागत कार्यक्रम को 'नेशनल अवॉर्ड फ़ॉर ई-गवर्नेंस 2010-11' दिया गया है। तदुपरांत, सार्वजनिक सेवाओं में सुधार करने के लिए इनफ़ॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (ङ्कङ्ग) के कार्यक्षम उपयोग के लिए गवर्नमेंट प्रोजेक्ट इम्प्लिमेंटेशन की कैटेगरी के अंतर्गत स्वागत कार्यक्रम को 'ष्ट्ठ्ठ अवॉर्ड 2011' भी प्राप्त हुआ है। पिछले 20 वर्षों में स्वागत कार्यक्रम के माध्यम से साढ़े पाँच लाख से अधिक लोगों की शिकायतों का गुजरात सरकार द्वारा सफलतापूर्वक निपटान किया गया है। तत्कालीन मुख्यमंत्री व भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दर्शाए गए सुशासन के इस पथ से प्रेरणा लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल आज स्वागत कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन कर रहे हैं। अप्रैल-2023 में स्वागत कार्यक्रम के 20 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन में अप्रैल महीने के अंत में स्वागत सप्ताह मनाने का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री के दिशा-दर्शन में पंचायती राज व्यवस्था में ग्रासरूट लेल से पदाधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर 'स्वागत' कार्यक्रम को अधिक सुदृढ़ और व्यापक बनाने का दृष्टिकोण राज्य सरकार ने अपनाया है। इसके लिए स्वागत सप्ताह के दौरान राज्य की सभी ग्राम पंचायतों के सरपंचों, सदस्यों, पटवारी-कम-मंत्रियों और वीसीई को मुख्यमंत्री के जनसम्पर्क कार्यालय तथा पंचायत विभाग के उपक्रम से एवं बाइसैग के माध्यम से ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया गया है। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में ग्रामीण क्षेत्र के पदाधिकारियों एवं पटवारी-कम-मंत्रियों को स्वागत कार्यक्रम का अधिक से अधिक प्रचार कर उसका विस्तार बढ़ाने एवं नागरिकों की समस्या के त्वरित निराकरण की कार्यपद्धति समझाई गई। इस कार्यक्रम में राज्य की 14,515 ग्राम पंचायतों के 10,095 सरपंचों, 53,941 ग्राम पंचायत सदस्यों, 18,907 पटवारियों और वीसीई सहित कुल 82,943 पदाधिकारियों/कर्मचारियों को 'स्वागत' की कार्यपद्धति के विषय में विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

एनटीपीसी कवास में अग्निशमन सेवा सप्ताह समापन

छोटे बच्चों द्वारा फायर सेफ्टी संसाधनों और पोस्टर का प्रदर्शन आयोजित हुआ

सुरत। एनटीपीसी कवास के फायर स्टेशन पर एनटीपीसी के उच्च अधिकारियों, चिकित्सा अधिकारियों, कर्मचारियों, सीआईएसएफ अग्निशमन कर्मियों और उनके परिवार के सदस्यों की उपस्थिति में अग्निशमन सेवा सप्ताह का समापन समारोह मनाया गया । केबल गैलरी, विद्युत ट्रांसफार्मर और नेपता टैंक में आग से संबंधित सीआईएसएफ युनिट केजीपीपी कवास के फायर विंग के दमकल कर्मियों द्वारा बचाव अभियान पर फायर ड्रिल का प्रदर्शन किया गया। यहाँ छोटे बच्चों द्वारा फायर सेफ्टी संसाधनों और पोस्टर का प्रदर्शन आयोजित हुआ था। बचाव अभियान और आग बुझाना फायर ड्रिल का मुख्य आकर्षण था जिसमें दमकल कर्मियोंने साहस और तकनीकी कौशल दिखाया । दर्शकों को आग बुझाने और उसके नियंत्रण के लिए इस्तेमाल की जाने वाली विभिन्न ब्रांच पाइपों के प्रदर्शन भी दिखाया गए। घरेलू एलपीजी सिलेंडर को संभालने की आसान युक्तियों को परिवार के सदस्यों द्वारा व्यापक रूप से सराहा गया जिसमें एलपीजी सिलेंडर के साथ छोटी मोटी दुर्घटनाओं से निपटने के लिए उनके आत्मविश्वास को बढाया है यदि उनके घर पर कोई घटना होती है ।

अग्नि सुरक्षा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न विभिन्न अग्नि सुरक्षा कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं के विजेता और प्रथम दो प्रतियोगियों को मुख्य अतिथि श्री पी राम प्रशाद जीएम महाप्रबंधक एनटीपीसी कवास और अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्ररस्कार प्रदान किए गए । छोटे बच्चों एनटीपीसी के कर्मचारियों संविदाकर्मियों और विषेश रूप से गृहिणियों ने अपने पुरस्कार प्राप्त किए जिन्हें विजेता या पहले दो प्रतियोंगियों के रूप में चुना गया था।

CPR ट्रेनिंग सेशन का हुआ आयोजन

सूरत भूमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा एवं महिला शाखा द्वारा ष्टक्क्र ट्रेनिंग सेशन का आयोजन रविवार को सुबह ग्यारह बजे से सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया । सेशन में कार्डियोअरेस्ट की इमरजेंसी में किस तरह सीपीआर के ज़रिए किसी की जान बचाई जा सकती है, उसका डेमो सेशन किया गया । इस मौक़े पर उपस्थत लोगों को ट्रेनिंग दी गई । सेशन का उद्देश्य बदलते आधुनिक जीवन शैली के आज के दौर में हृदय संबंधित आकस्मिकता, दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। जिससे अब युवा वर्ग भी प्रभावित होने लगा है।अतः समाज में कार्डियो संबंधित जागरूकता फैलाना है ।

इस मौक़े पर ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी, उपाध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, सचिव राजीव गुप्ता, उप सचिव अनिल शोरेवाला, आई पी पी सुभाष अग्रवाल, कल्चरल कमिटी संजोजक विनोद अग्रवाल सहित समाज के अन्य गणमान्य व भारी संख्या में समाज जन उपस्थित रहे । समाज के युवा वर्ग ने भी बढ़ -चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही भवन स्टाफ़ को भी इसकी जानकारी दी गई ।

LED Expo के सिल्वर जुबली एडिशन में स्मार्ट होम्स और लाइटिंग से जुड़े नॉलेज सेशन होंगे और वूमेन इन राइटिंग बुक का लॉन्च होगा

भारत ने संस्थागत और घरेलू दोनों स्तरों पर बड़े पैमाने पर एलईडी अपनाने और सस्टेनेबल लाइटिंग के प्रसार में बड़ी सफलता देखी है। हालांकि, भारत में एलईडी लाइटिंग को और अधिक अपनाने के लिए अभी भी काफी संभावनाएं मौजूद हैं और LED Expo भारत में तैयार लाइटिंग प्रोडक्ट्स, लाइटिंग कंट्रोल और कम्पोनेंट की कंप्लीट वैल्यू चेन को प्रदर्शित करने वाला सबसे बड़ा और सबसे भरोसेमंद प्लेटफार्म बना हुआ है। एक्सपो, जो कम्पोनेंट, एसेसरीज और मशीनरी शो के रूप में शुरू हुआ था, आज एलईडी और लाइटिंग इंडस्ट्री की पूरी रेंज को प्रदर्शित करता है, जिसमें शो में तैयार लाइटिंग प्रोडक्ट भी शामिल हैं। 2009 में महज 1,200 वर्ग मीटर में फैले शो से लेकर इस साल 10,881 वर्ग मीटर तक फैले मेले में तेजी से वृद्धि हुई है। भारत और विदेशों से 200 से अधिक एक्जीबिटर के साथ LED Expo का यह 25वां एडिशन लाइटिंग इंडस्ट्री के लिए सबसे इफेक्टिव शो में से एक होने का वादा करता है। LED Expo के 25वें एडिशन में सिग्नस, प्राइड लाइट, ऑटोनिक्स, टिंज, निर्वाण, टेक्ट्रोकनिक, केजीएन लाइट, लुमेनटेक नेपच्यून लाइट जैसे टॉप ब्रांड शो फ्लोर पर यूनिक इनोवेशन डिस्पले करेंगे।

LED Expo के सिल्वर जुबली एडिशन पर अपने विचार साझा करते हुए मेस्से फ्रैंकफर्ट एशिया होल्डिंग लिमिटेड के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर और बोर्ड मेम्बर श्री राज मानेक ने कहा: "LED Expo भारत में एकमात्र ऐसा शो है जो एलईडी इंडस्ट्री की संपूर्ण वैल्यू चेन को कवर करता है और साल-दर-साल एक्जीबिटर और विजिटर्स को बड़ी संख्या में आकर्षित कर रहा है और प्रत्येक एडिशन के साथ आगे बढ़ रहा है। LED Expo के 25वें एडिशन की ओर बढ़ते हुए, हम गर्व से कह सकते हैं कि हमने खुद को भारत में इंडस्ट्री के नंबर वन प्लेटफॉर्म के रूप में स्थापित किया है जहां वे अपने प्रोडक्ट और टेक्नोलॉीज का प्रदर्शन कर सकते हैं, व्यवसाय कर सकते हैं और प्रोफेशनल्स और एक्सपर्ट के साथ कोलैब्रेशन कर सकते हैं। आज, गवर्नमेंट स्टेकहोल्डर के स्ट्रांग सपोर्ट और इंडस्ट्री एसोसिएशन के साथ हमारा उद्देश्य बी2बी कोलैब्रेशन, पार्टनरशिप और डोमेस्टिक डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क को मजबूत करना है जो एलईडी टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट, मैन्युफैक्चरिंग और इम्प्लीमेंटेशन के अगले फेस को चिह्नित करेगा।

सिल्वर जुबली एडिशन में लाइटिंग बिजनेस में महिलाओं का जश्न मनाने वाली कॉफी टेबल बुक "द पावर ऑफ स्टोरीजज्ज का अनावरण किया जाएगा। पुस्तक को वीमेन इन लाइटिंग इंडिया के साथ पार्टनरशीप के माध्यम से लाया गया है। इसमें 40 भारतीय लाइटिंग डिजाइनरों के इंटरव्यू होंगे जो प्रतिभागियों को विस्मित, प्रेरित और मोटीवेट करेंगी क्योंकि बुक में उन्होंने प्रकाश की दुनिया के अपने इंस्पायरिंग और चैलेंजिंग अनुभव को शेयर किया है।

क्या आप जानते हैं कि प्रयोगशाला में बनने वाले हीरे के लिए सूर्य की सतह के 20त्न के बराबर तापमान की आवश्यकता हो सकती है?

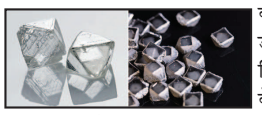

प्राकृतिक हीरे पर आधिकारिक संसाधन, नैचुरल डायमंड काउंसिल, ने 2023 की अपनी विश्लेषणात्मक रिपोर्ट जारी कर दी है, जिसका शीर्षक है, डायमंड फैक्ट्स : ऐड्रेसिंग मिथ्स एंड मिसकंसेप्शंस अबाउट द डायमंड इंडस्ट्री (हीरा से संबंधित तथ्य : हीरा उद्योग के बारे में मिथकों और गलतफहमियों को दूर करना। इस रिपोर्ट के जरिये, नैचुरल डायमंड काउंसिल (एनडीसी) ने प्राकृतिक हीरों और उनके लेबोरेटरी ग्रोन हीरों के बारे में गलत सूचनाओं को दूर करने की शुरुआत की है।

एनडीसी के सीईओ डेविड केली कहते हैं, "एक ऐसे युग में जब उपभोक्ता पहले से कहीं अधिक जिज्ञासु और प्रबुद्ध हैं, वे कंपनियों के मूल्यों और जिम्मेदार व्यवसाय प्रथाओं तथा वास्तव में जिस व्यापक उद्योग से खरीद रहे हैं, उसके बारे में जानना चाहते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "नैचुरल डायमंड काउंसिल में, हम पारदर्शी ढंग से सूचनाएं देकर समझदारी से निर्णय लेने में उपभोक्ताओं की सहायता करना चाहते हैं।"

यह रिपोर्ट हीरा उद्योग के बारे में व्या प्त आम गलतफहमियों को दूर करती है। रिपोर्ट से तथ्यों के उदाहरणों में शामिल हैं:

- आकर्षण : प्राकृतिक हीरे से प्रयोगशाला में विकसित हीरे का पता लगाया जा सकता है।
- सहायक तथ्य:
- पेशेवर सत्यापन उपकरणों का प्रयोग करके लेबोरेटरी ग्रोन सभी हीरों का पता लगाया जा सकता है।
- कुछ ही हफ्तों में बड़े पैमाने पर उत्पादित, लेबोरेटरी ग्रोन हीरे विशिष्ट विकास-संबंधित विशेषताओं और पैटर्न को प्रदर्शित करते हैं जो पृथ्वी की सतह के नीचे अरबों वर्षों में बनने वाले प्राकृतिक हीरे से काफी अलग होते हैं।
- आकर्षण : लेबोरेटरी ग्रोन सभी हीरे स्थाअयी नहीं होते हैं।
- सहायक तथ्य :
- लेबोरेटरी ग्रोन हीरे प्राकृतिक हीरा निर्माण प्रक्रिया को दोहराते हैं जिसके लिए बड़ी मात्रा में बिजली की आवश्यकता होती है, जो ज्यादातर राष्ट्रीय ग्रिड से मिलती है।
- लेबोरेटरी ग्रोन 60% से अधिक हीरे चीन और भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादित होते हैं जहां ग्रिड की बिजली क्रम से 63% और 74% कोयले से उत्पन्न होती है।
- लेबोरेटरी ग्रोन हीरों के निर्माण के लिए सूर्य की सतह के तापमान के 20% के बराबर तापमान की आवश्यकता हो सकती है।
- आकर्षण : प्राकृतिक हीरे के निर्माण की प्रक्रिया का मतलब है कि वे स्वाभाविक रूप से दुर्लभ हैं। वे एक परिमित प्राकृतिक संसाधन हैं।
- सहायक तथ्य :
- इसका गठन या निर्माण लाखों, कभी-कभी अरबों वर्षों में होता है और अत्यधिक तापमान और दबावों पर पृथ्वी के आवरण के सीमित क्षेत्रों में होता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)